हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 13 अप्रैल 2026

वार्ता फेल, अब होर्मुज पर खेल ट्रंप की सेना रोकेगी जहाज

पाकिस्तान में हुई 21 घंटे की ऐतिहासिक वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता नहीं हो सका, जिससे दो सप्ताह के लिए लागू नाजुक युद्धविराम का भविष्य अब अधर में है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रंप ने होर्मुज की सैन्य नाकेबंदी का ऐलान किया है।

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बहुप्रतीक्षित उच्च-स्तरीय वार्ता आखिरकार किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। करीब 21 घंटे तक चली इस गहन बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों के बीच जारी सीजफायर को स्थायी शांति में बदलना था, लेकिन जमीनी सच्चाई और कूटनीतिक जटिलताओं ने इस प्रयास को विफल कर दिया। दुनिया में शांति के लिहाज से ये बातचीत बेहद अहम मानी जा रही थी। 1979 की इस्लामी क्रांति और तेहरान में अमेरिकी दूतावास संकट के बाद ये दोनों देशों के बीच सबसे उच्च-स्तरीय बातचीत थी। इस्लामाबाद में हुई ▶▶| शेष पेज 6 पर

- 21 घंटे की चर्चा से नहीं निकला कोई नतीजा, एक दूसरे को ठहरा रहे जिम्मेदार
- दो सप्ताह के लिए लागू युद्धविराम का भविष्य अब अधर में
- ईरान का परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ना बनी मुख्य वजह

अमेरिका और ईरान का अडिग रुख

ईरान-अमेरिका के बीच बातचीत में कहां फंसा पेच?

शांति वार्ता में अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह से खत्म करने और होर्मुज को तत्काल खोलने की मांग की गई थी। हालांकि, ईरान इन मांगों पर तैयार नहीं हुआ। ईरानी समाचार एजेंसी ने बताया कि तेहरान ने अमेरिका की मांगों को खारिज कर दिया, क्योंकि वॉशिंगटन जिन चीजों को संघर्ष से हासिल नहीं कर सका, उन्हें बातचीत के जरिए हासिल करने की कोशिश कर रहा था।

क्यों फेल हुई वार्ता

इस्लामाबाद में बातचीत की मेज पर सबसे बड़ी बाधा दोनों देशों का अडिग रुख रहा। अमेरिका ने साफ तौर पर मांग रखी कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तत्काल रोके। ईरान किसी भी तरह की पाबंदी या बाहरी दबाव को अस्वीकार कर दिया।

होर्मुज पर गतिरोध बना निर्णायक

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सबसे संवेदनशील और रणनीतिक मुद्दा बनकर उभरा। अमेरिका चाहता था कि इसे तुरंत खोला जाए। ईरान की मांग थी कि पहले उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में ढील दी जाए और सुरक्षा की गारंटी मिले।

ट्रंप ने बेहद सख्त तेवर

पाकिस्तान में हुई नाकाम शांति वार्ता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त और तीखा बयान जारी किया है, जिसने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का वादा किया था, लेकिन जानबूझकर उसे तोड़ा, जिससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता, डर और संकट की स्थिति पैदा हो गई है। उनके मुताबिक, यह कदम अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है और ईरान की गैर-जिम्मेदार हरकतों ने वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दी है।

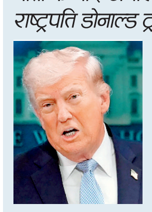

अपनी जिद और प्रतिभा से हासिल किया अनूठा मुकाम

अलविदा आशा...

दिग्गज गायिका का निधन, आज होगा अंतिम संस्कार

जन्म- 08.09.1935 निधन-12.04.2026

अपनी अनूठी आवाज से हिंदी पार्श्व गायन में अलग मुकाम हासिल करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। उन्होंने अपनी बहन तथा महान गायिका लता मंगेशकर की छाया में रहकर अपनी अलग पहचान बनाई थी।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भोसले को शनिवार शाम सीने में संक्रमण और कमजोरी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने यह जानकारी दी थी। आशा का विवाह 16 वर्ष की आयु में 1949 में गणपतराव भोसले से हुआ था और बाद में उन्होंने अपने सहयोगी एवं संगीतकार आरडी बर्मन से विवाह किया। उनके परिवार में बेटे आनंद और पोते-पोतियां हैं। उनके बेटे आनंद ने बताया कि अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा।

आठ सितंबर 1935 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मीं आशा भोसले को अपनी बहन की तरह ही उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर ने संगीत की ▶▶| शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुप्रसिद्ध गायिका पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अपनी मधुर, विलक्षण और हृदयस्पर्शी आवाज से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और करोड़ों हृदयों में अमिट स्थान बनाया। उनका यह अद्वितीय योगदान युगों-युगों तक अमर रहेगा।

खबर संक्षेप

आबकारी भर्ती परीक्षा पेपर लीक, 164 गिरफ्तार

रांची। झारखंड आबकारी पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल हुए कुल 159 अभ्यर्थियों और पांच अन्य लोगों को रविवार को पेपर लीक के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पांचों मुख्य आरोपी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं में शामिल एक गिरोह के सदस्य हैं। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कहा कि रांची के एसएसपी को सूचना मिली थी कि तमाड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत रड़गांव में एक इमारत में बड़ी संख्या में छात्र इकट्ठा हुए हैं, जिसके बाद 159 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी नीति : केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय सोमवार को आबकारी नीति मामले में आरोप मुक्त किए गए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत अन्य लोगों की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें अनुरोध किया गया है कि अधीनस्थ अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को अलग किया जाए। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अपनी याचिका पर दलील देंगे, जिसकी सुनवाई आज 13 अप्रैल को दोपहर ढाई बजे न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष होगी। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को मामले से अलग करने का अनुरोध करते हुए दावा किया है कि इस बात की गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका है कि उनके समक्ष मामले की सुनवाई निष्पक्ष और तटस्थ नहीं होगी। केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक समेत अन्य आप नेताओं ने भी न्यायाधीश को मामले से अलग करने के लिए आवेदन दायर किए हैं।

बेकाबू ट्रक का कहर छात्रा समेत दो की मौत

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के छिबरामऊ क्षेत्र में रविवार सुबह एक बेकाबू ट्रक स्कूटी को टक्कर मारने के बाद एक दुकान में घुसकर पलट गया, जिससे स्कूटी सवार छात्रा समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि छिबरामऊ क्षेत्र में भाउलपुर तिराहे के पास रविवार सुबह साढ़े आठ बजे एक बेकाबू ट्रक ने ट्यूशन पढ़ने जा रही स्कूटी सवार छात्रा को पीछे से टक्कर मार दी और आगे जाकर एक दुकान से टकराकर पलट गया। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में छात्रा एवं फल विक्रेता की मौत हो गई।

बिहार में नई सरकार की सुगबुगाहट तेज

नीतीश से मिले सम्राट आखिरी कैबिनेट 14 को

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार में राजनीतिक दृष्टिकोण से अगले दो दिन बेहद अहम होने जा रहे हैं। नीतीश कुमार सरकार की आखिरी कैबिनेट 14 अप्रैल को होने जा रही है। माना जा रहा है कि उस दिन वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इन सब के बीच विधायक दल के नेता को चुनने की कवायद तेज हो गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक यानि ऑब्जर्वर बनाया गया है। बीजेपी विधानमंडल दल की बैठक में चौहान मौजूद होंगे। वहीं रविवार को डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान जदयू के कई वरिष्ठ नेता भी वहां मौजूद रहे जो बैठक से पहले ही मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए थे। ये मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री

पद से इस्तीफा देने और राज्यसभा जाने की चर्चाएं जोरों पर हैं। षनीतीश कुमार और सम्राट चौधरी की मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए जेडीयू नेता संजय झा ने कहा कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री से मिलने बराबर आते हैं। वह कल भी आए थे, आज भी आए थे। आप सभी लोगों को है कि नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है तो स्वाभाविक तौर पर आपस में बातचीत होती है। वहीं, जब उनसे नई सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी मंत्रिमंडल को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

नई सरकार की नीतियां नीतीश जैसी ही होंगी : झा

जेडीयू नेता संजय झा ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार का बिहार में काम खत्म नहीं हुआ है. एनडीए ने 2025 से 2030 के लिए उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था और उन्हें ही जनादेश मिला था। अब भले ही वह राज्यसभा के जरिए संसद जा रहे हैं, लेकिन नई सरकार का आधार उनकी नीतियां ही होंगी। सत्र के दौरान वह दिल्ली में रहेंगे, लेकिन बिहार उनकी प्राथमिकता बना रहेग

एक लाख की रिश्वत लेते कृषि विकास अधिकारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सरगुजा में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कृषि विकास अधिकारी को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा कंपनी के सेल्स मैनेजर को एकपक्षीय कार्रवाई का भय दिखाकर 3 लाख रुपए की मांग की गई थी। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के प्रतापपुर निवासी अजीत कुमार कश्यप हैदराबाद की कंपनी साई भव्या सीड्स मद एरिया सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत है। कंपनी द्वारा धान एवं मक्का के बीज मार्केट में सप्लाई किया जाता है, अगस्त महीने की कुल बिक्री होने के पश्चात शेष बची हुई बीज कंपनी में वापस भेजने के लिए मां महामाया कोल्ड स्टोरेज दरिमा रोड अंबिकापुर में रखा गया था। आरोप है कि इस दौरान सोहन लाल भगत, बीज निरीक्षक/कृषि विकास अधिकारी विकासखंड अंबिकापुर को बीज भंडारण का पता चलने पर उसके द्वारा अजीत कुमार कश्यप को अवैध बीज भंडारण के झूठे आरोप में एकपक्षीय कार्रवाई का भय दिखा कर 3 लाख रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। अजीत कश्यप रिश्वत नहीं देना चाहता बल्कि आरोपी की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था। ऐसे में उसने मामले की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम से की थी। इस दौरान शिकायत के सत्यापन में आरोपी बीज निरीक्षक सोहन लाल भगत ने 1 लाख रुपए रिश्वत की मांग की। शिकायत सत्यापन के बाद 12 अप्रैल को एसीबी की टीम ने ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान बीज निरीक्षक को ▶▶| शेष पेज 6 पर

- एसीबी ने की देर शाम की कार्रवाई

एटीएम में जमा होने वाले 1.20 करोड़ लेकर दो कर्मचारी फरार

हैदराबाद। हैदराबाद में एक कैश मैनेजमेंट एजेंसी के दो कर्मचारी एटीएम में जमा करने के लिए रखे गए 1.20 करोड़ रुपए लेकर फरार हो गए। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, सीएमएस इंफो सिस्टम लिमिटेड के दो कर्मचारी पिछले दो दिनों से लापता हैं। सिकंदराबाद ब्रांच मैनेजर नवीन ने पुलिस को बताया कि कर्मचारी वासिरेड्डी और लतीफ दो दिनों से ड्यूटी पर नहीं आए और उनसे फोन पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। एसआर नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इन कर्मचारियों को एसआर नगर क्षेत्र के विभिन्न एटीएम में कैश जमा करने की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस ने एसआर नगर थाने में केस दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू किया है।

कई एटीएम में बड़ी रकम कम पाई गई

हाल ही में किए गए आंतरिक ऑडिट में एसआर नगर क्षेत्र के 31 एटीएम की जांच के दौरान कई एटीएम में बड़ी नकदी कमी पाई गई। ऑडिट में कुल 1,20,98,500 रुपए की कमी सामने आई। आंतरिक जांच में यह भी पता चला कि कम से कम 8 एटीएम में नकद जमा ही नहीं किया गया था। दोनों कैश कस्टोडियन के काम पर न आने से उन पर संदेह और बढ़ गया है।

उग्रवादियों के 21 बंकर किए नष्ट, हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए अपना संयुक्त तलाशी अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने जिले में अवैध रूप से बनाए गए 21 बंकरों को भी नष्ट कर दिया। इंफाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल मिथुन मंडल की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध उग्रवादियों का पता लगाने के लिए उखरुल और आसपास के जिलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

- मणिपुर में तलाशी अभियान जोरों पर

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने पहाड़ी जिले उखरुल में लिटान पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सिकिबुंग गांव में 14 बंकर और मोंगकोट चेपु गांव में सात अन्य बंकरों को ध्वस्त कर दिया। इन बंकरों को उग्रवादी संगठनों ने सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले करने के लिए अवैध रूप से बनाया था।

फेक वीडियो को लेकर अलर्ट

मणिपुर पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर यकीन न करें और सोशल मीडिया पर चल रहे फर्जी वीडियो से सावधान रहें। पुलिस के बयान में चेतावनी दी गई है, किसी भी वायरल वीडियो या ऑडियो क्लिप की सच्चाई की पुष्टि सेंट्रल कंट्रोल रूम से की जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि वाला या गुमराह करने वाला कंटेंट अपलोड करने या शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बड़ी मात्रा में हथियार बरामद

एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने म्यांमार की सीमा से सटे इलाकों से हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद की गई चीजों में मैगजीन के साथ दो 9 एमएम पिस्तौल, 13 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, दो कॉम्बैट यूनिफॉर्मऔर एक बैकपैक शामिल थे। वेंगनुआम सिंगंगाट इलाके से दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके कब्जे से 'ब्राउन शुगर' से भरे 45 साबुन के केस, एक मारुति जिप्सी, दो मोबाइल फोन और दो बैग बरामद किए।

15 वर्ष की किशोरियों ने भी दिया बच्चों को जन्म

शिक्षा से तय हो रही मातृत्व की दिशा, कम पढ़ी महिलाओं के ज्यादा बच्चे, शिक्षित के हैं कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में शिक्षा और जनसंख्या नियंत्रण के बीच गहरा संबंध निकलकर सामने आया है। हाल ही में जारी 'जन्म सांख्यिकी' के आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जैसे-जैसे महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है, परिवार नियोजन के प्रति उनकी जागरूकता भी उतनी ही प्रभावी हो रही है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि स्नातक और उससे अधिक शिक्षित महिलाओं की तुलना में कम शिक्षित या सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी महिलाओं की जन्म दर कई गुना अधिक है। चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि अभी भी 15 या उससे कम आयु की किशोरियों ने भी बच्चों को जन्म दिया है, जबकि यह पूरी तरह गैर कानूनी है। राज्य के ताजा आंकड़ों के अनुसार जन्म लेने वाले बच्चों को मां की उम्र और शिक्षा के स्तर के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इसमें साफ दिखता है कि 20 से 29 वर्ष की आयु वर्ग की माताओं में जन्म दर सबसे अधिक है।

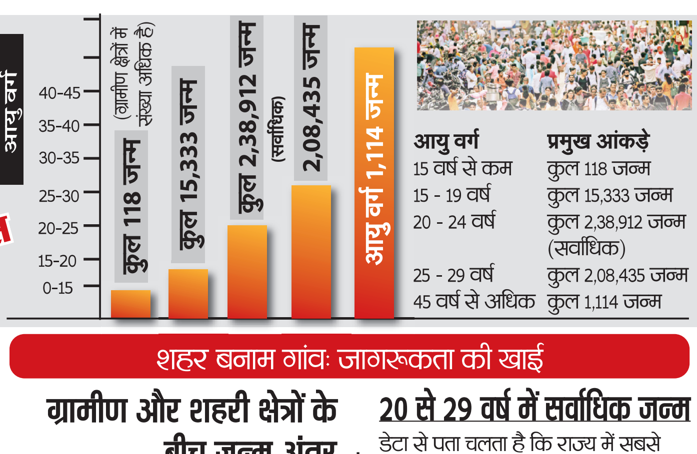

शहर बनाम गांव: जागरूकता की खाई

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जन्म अंतर

ग्रामीण क्षेत्र में कुल 3 लाख 9 हजार 684 जन्म दर्ज किए गए। ग्रामीण इलाकों में निरक्षर महिलाओं द्वारा दिए गए जन्मों की संख्या शहरी इलाकों की तुलना में लगभग चार गुना ज्यादा है। इसी तरह शहरों में कुल 2,83,513 जन्म हुए। यहां मैट्रिक और उससे ऊपर शिक्षित महिलाओं का अनुपात बेहतर है।

20 से 29 वर्ष में सर्वाधिक जन्म

डेटा से पता चलता है कि राज्य में सबसे अधिक जन्म 20 से 24 वर्ष (2,38,912) और 25 से 29 वर्ष (2,08,435) की आयु की महिलाओं के बीच हुए हैं। 35 वर्ष की आयु के बाद जन्म दर में तेजी से गिरावट देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि अधिकांश परिवार 30 साल की उम्र तक अपनी संतान संबंधी योजनाएं पूरी कर लेते हैं।

शिक्षा का स्तर और जन्म दर: एक तुलना

आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 5 लाख 93 हजार 197 बच्चों का जन्म हुआ। इसमें शिक्षा के स्तर पर भारी अंतर देखा गया। मसलन, दसवीं तक शिक्षित महिलाओं, जो स्नातक नहीं थी, उन्होंने 3 लाख 52 हजार 657 बच्चों को जन्म दिया। जबकि स्नातक या उससे अधिक शिक्षित महिलाओं के केवल 50 हजार 824 बच्चे ही हुए। यह डेटा साबित करता है कि उच्च शिक्षा महिलाओं को करियर के प्रति जागरूक कर रही है।

कम उम्र में मां बनने का खतरनाक डाटा

रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू 'बाल मातृत्व' है। आंकड़ों के मुताबिक, 15 साल से कम उम्र की किशोरियों ने 118 बच्चों को जन्म दिया। वहीं, 15-19 आयु वर्ग में यह संख्या 15 हजार 333 रही। इनमें से अधिकांश मामले ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कम उम्र में शादी या बाल विवाह और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी की ओर इशारा करते हैं।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में चार लोगों की गई जान

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अम्बिकापुर। एनएच 130 पर 12 घंटे के भीतर ही तीन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई वहीं आज दोपहर बनारस रोड में स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार एक युवक मौके पर ही ही मौत हो गई जबकि सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार लटोरा बिहारपुर निवासी पंकज सिंह रविवार की दोपहर बाइक से किसी काम के सिलसिले में लटोरी गंगापुर निवासी कमलेश राजवाड़े व एक अन्य युवक के साथ शहर की ओर आ रहे थे। जैसे ही बाइक सवार चठिरमा बैरियर के समीप पहुंचे तभी शहर की ओर से लटोरी की ओर जा रहे स्कार्पियो वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पंकज सिंह की मौके पर ही ▶▶| शेष पेज 6 पर

पोल से टकराई बाइक दो युवकों की मौत

रजपुरी कला। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला स्थित राइस मिल के पास रविवार दोपहर करीब 2.30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सीधे विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा बेहद भयावह था। बाइक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर के बाद तीनों युवक दूर जा गिरे। घटना की सूचना भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ने पुलिस को दी। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को लखनपुर अस्पताल पहुंचाया। जहां दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम छिंदकालो निवासी आदित्य आ. महेश राम व बाबूलाल आ. भगत राम को जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया वहीं घायल अमन आ. संतोष का प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां घायल का इजाल चल रहा है।

आशा भोसले की गायकी का फलक अत्यंत विस्तृत है। चाहे वह चुलबुले और नटखटी गीत हों, रूमानी नगमे हों या फिर थिरकने पर मजबूर कर देने वाले कैबरे। हर विधा में उन्हें महारथ हासिल थी। जहां उन्होंने 'इन आंखों की मस्ती के' जैसी गजलों में रूहानियत और गहराई भरी, वहीं 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गीतों के ज़रिए भारतीय संगीत में आधुनिकता, साहस और नई ऊर्जा का संचार किया। इसलिए कहा जाता था कि आशा भौंसले की उम्र बढ़ी लेकिन आवाज जस की तस रही। आशा भोंसले का नाम केवल प्रशंसकों के दिलों में ही नहीं, बल्कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स में भी दर्ज है।

आशा के 'अमर' सुर.. कभी बूढ़ी नहीं हुई 'आवाज'

1000 से ज्यादा फिल्मों में गाने गाए

20 भाषाओं में गाने गाने का रिकॉर्ड

12 हजार से ज्यादा गाने गाए

झुमका गिरा रे... बरेली को दी पहचान

आशा भोसले का गाया गीत झुमका गिरा रे, बरेली के बाज़ार में, जिसे फिल्म मेरा साया में अभिनेत्री साधना पर फिल्माया गया था। यह गीत आशा भोसले की सुरीली आवाज, भावपूर्ण संगीत और जीवंत माहौल के कारण लोकप्रिय हुआ। भले ही यह गीत 54 साल पुराना है। करीब पांच दशक बाद बरेली ने आखिरकार इस प्रतिष्ठित गीत को अपनाते हुए 14 फीट ऊंचा झुमका स्थापित किया है। इस गीत ने बरेली को 'झुमका सिटी' के रूप में नई पहचान दी।

1948 में गाया पहला गाना

आशा के कॅरियर का पहला गीत साल 1948 में आई फिल्म चुनरिया का गीत सावन आया... है। साल 1957 में संगीतकार ओपी नैय्यर के संगीत निर्देशन में बनी निर्माता-निर्देशक बीआर चोपड़ा की फिल्म नया दौर आशा के कॅरियर का अहम पड़ाव साबित हुई। वहीं फिल्म तीसरी मंजिल में आशा भोंसले ने आरडी बर्मन के संगीत में आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा... गाने को अपनी आवाज दी। ये गाना सुपरहिट रहा।

जन्म : 08 सितंबर 1933　**अवसान : 12 अप्रैल 2026**

आइडियल थीं लता दीदी

आशा भोसले तो लता दीदी को अपना आदर्श मानती थीं। लेकिन कम उम्र में ही आशा भोसले के कारण लता मंगेशकर का दिल दुखा था। दरअसल, आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में लता मंगेशकर के सचिव गणपत राव भोसले से प्रेम विवाह कर लिया। गणपत राव आशा से 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया।

लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर बनी फिल्म

बॉलीवुड में एक फिल्म साज भी बनी थी, इसे साई परांजपे ने बनाई थी। कहा जाता है कि यह फिल्म लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर थी। फिल्म में लीड रोल में शबाना आजमी और अरुणा ईरानी थीं, इन्होंने फिल्म में दो बहनों का रोल किया था। एक इंटरव्यू में इस फिल्म के बारे में आशा भोसले ने कहा था, यह बिल्कुल भी सच नहीं है। दो महिलाओं को फिल्म में लेना, कुछ घटनाओं को चुनना और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर 3 घंटे की फिल्म बना देना, यह तो समय की पूरी बर्बादी है। जबकि डायरेक्टर ने कहा था कि इसका आइडिया उन्हें एक्ट्रेस शबाना आजमी से मिला था। एक्ट्रेस ने उनसे एक प्लेबैक सिंगर पर फिल्म बनाने को कहा था। डायरेक्टर ने यह भी कहा कि फिल्म में दो बहनों की जो कहानी दिखाई गई है, वह एक राइटर के तौर पर उनके खुद के अनुभवों और भावनाओं पर आधारित है।

पहले पति ने प्रेग्नेंसी की हालत में घर से बाहर निकाल दिया था

आशा भोसले और गणपत राव की शादी ज्यादा नहीं चली। 11 साल बाद आशा भोसले पति से अलग हो गईं। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए। गणपत राव ने आशा भोसले को 2 बच्चों और प्रेग्नेंसी के हालत में घर से निकाल दिया था। गणपत का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका।

सिंगर न होतीं तो कुक बनतीं आशा भोसले

आशा भोसले को आज दुनिया एक मशहूर गायिका के रूप में जानती है। अगर वह कभी सिंगर ना बन पातीं तो कुक के प्रोफेशन को चुनतीं। आशा भोंसले ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अगर वह सिंगर नहीं बनती तो वह एक कुक होतीं। बता दें कि दुबई, कुवैत में उनके नाम से रेस्टोरेंट भी है। यहां पर भारतीय खाना मिलता है। एक खबर के अनुसार इंटरनेशनल कुक रसेल स्कॉट ने आशा ब्रांड के राइट्स खरीदे थे। वह ब्रिटेन में लगभग 40 रेस्टोरेंट खोलने की योजना बना रहे थे।

बेटी और बेटे के गुजर जाने से टूटा दुखों का पहाड़

पति आरडी बर्मन को आशा भोसले पहले ही खो चुकी थीं। फिर उनकी जिंदगी से जुड़े दो खास लोग भी दुनिया को अलविदा कह गए। आशा भोसले की बेटी वर्षा ने साल 2012 में आत्महत्या कर ली। वहीं चार साल बाद यानी 2015 में बेटे हेमंत का कैंसर के कारण निधन हो गया। दो बच्चों की मौत ने आशा भोसले को भीतर से तोड़ दिया।

बड़े पर्दे पर दिखाया एक्टिंग का हुनर

आशा भोसले ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गीत गाए। हिंदी के अलावा वह कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गा चुकी हैं। सिंगिंग के अलावा आशा भोसले ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया था। साल 2013 में आशा भोसले ने एक मराठी फिल्म 'माई' में अभिनय किया। इसमें उनके अभिनय को खूब सराह गया था।

छह साल छोटे आरडी बर्मन से प्यार और दूसरी शादी

पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान संगीतकार आरडी बर्मन और आशा भोसले की मुलाकात हुई। आरडी बर्मन ने आशा भोसले के सामने अपने प्यार का इजहार किया था। वह आशा भोसले से 6 साल छोटे थे। आरडी बर्मन से आशा भोसले ने 1980 में शादी की। लेकिन इनकी शादी की राह आसान नहीं थी। आशा भोसले के तीन बच्चे पहली शादी से थे, ऐसे में आरडी बर्मन के परिवार वाले इस शादी के राजी नहीं थे। लेकिन आरडी बर्मन नहीं माने, उन्होंने आशा से शादी की। आगे चलकर दोनों ने बेहतरीन गीतों पर काम किया। साल 1994 में आरडी बर्मन का निधन हुआ, इसके बाद आशा अकेली पड़ गईं।

आशा का वो गाना, जो रेडियो पर बैन तो दूरदर्शन से हटाया

देव आनंद, जीनत अमान और मुमताज अभिनीत फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा में आशा भोसले की आवाज में दम मारो दम गाना रिलीज होते ही विवादों में घिर गया था। आरडी बर्मन का संगीत और आनंद बख्शी के बोल इस गाने में थे। गाने में जीनत अमान को हिप्पी स्टाइल में चिलम फूंकते हुए दिखाया गया था, जो नशे के कल्चर को एक तरह से ग्लैमराइज करने का तरीका था और इस पर गंभीर आरोप भी लगा। कई लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ और युवाओं में नशे को बढ़ावा देने वाला बताया।

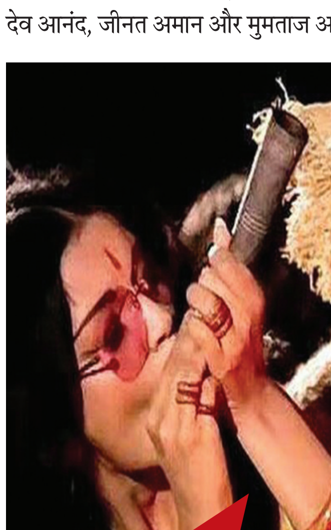
बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड

रेडियो पर हुआ बैन

इस गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि ऑल इंडिया रेडियो ने गाने पर प्रतिबंध तक लगा दिया। यही नहीं दूरदर्शन ने फिल्म के टीवी प्रसारण के दौरान इस गाने तक को काट दिया। जब फिल्म टीवी पर आई तो दम मारो दम को पूरी तरह हटा दिया गया था। गजब की बात यह है कि आशा भोसले को इस गाने के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड भी मिला था। देवानंद ने फिल्म में इसे एंटी-ड्रग मैसेज के तौर पर रखा था लेकिन गाने की कैची धुन और बोल्ड विजुअल्स ने इसे अलग ही पहचान दे दी।

आशा भोसले को मिले अवॉर्ड्स

- पद्म विभूषण – 2008
- दादासाहेब फाल्के – 2000
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1981 और 1986
- फिल्मफेयर पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1968, 1969, 1972, 1973, 1974, 1975 और 1979
- फिल्मफेयर स्पेशल अवॉर्ड (फिल्म रंगीला) – 1996
- फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2001
- आइफा अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 2002, फिल्म लगान के गीत राधा कैसे न जले के लिए
- नाइटिंगेल ऑफ एशिया अवॉर्ड – 1987
- सिंगर ऑफ द मिलेनियम – 2000 (दुबई)
- बीबीसी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2002
- पद्म विभूषण से सम्मानित, दादासाहेब फाल्के और नेशनल अवॉर्ड तक
- गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम है दर्ज
- साल 2011 में उन्हें गिनीज ने 20 अलग-अलग भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाना रिकॉर्ड करने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया था।

मंगेशकर परिवार

सेवंती मंगेशकर(मां), लता मंगेशकर, आशा भोसले, ऊषा मंगेशकर, मीना खाड़ीकर, हृदयनाथ मंगेशकर

कई शैलियों में गातीं थीं आशा

चुलबुले और रूमानी गीत

आशा जी को कैबरे और पश्चिमी धुन वाले गानों की रानी माना जाता है। उन्होंने आरडी बर्मन के साथ मिलकर संगीत में एक नई जान फूंकी थी।
उदाहरण: दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, ओ हसीना जुल्फ़ों वाली

ठुमरी और शास्त्रीय संगीत

हालांकि, उनकी छवि एक मॉडर्न गायिका की थी, लेकिन कठिन शास्त्रीय बंदिशों और ठुमरी में उनका कोई सानी नहीं है। फिल्म उत्सव और उमराव जान के गानों में इसकी झलक मिलती है।
उदाहरण: मन क्यों बहका रे बहका, दिल चीज़ क्या है

भावपूर्ण गज़लें

फिल्म उमराव जान के लिए उन्होंने अपनी गायकी का अंदाज़ पूरी तरह बदल लिया था। उनकी आवाज़ की गंभीरता और शब्दों के सही उच्चारण (तलफ़्फ़ुज़) ने गज़लों को अमर बना दिया।
उदाहरण: इन आंखों की मस्ती के, जुस्तजू जिसकी थी।

भजन और भक्ति गीत

उनकी आवाज़ में जहां एक तरफ मादकता थी, वहीं दूसरी तरफ भक्ति गीतों में उतनी ही पवित्रता और सादगी भी थी।
उदाहरण: तोरा मन दर्पण कहलाए

पॉप और रिमिक्स

90 के दशक में जब पॉप संगीत का दौर आया, तब भी आशा जी ने जानम समझा करो और कही आग लगे जैसे गानों से युवा पीढ़ी के बीच अपनी धाक जमाए रखी।

लोक संगीत और लावणी

मराठी होने के नाते, उन्होंने लावणी (महाराष्ट्र का लोक संगीत) में जो ऊर्जा भरी, वह बेमिसाल है।

बिलासपुर
सोमवार 13 अप्रैल 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी
वर्ष : 26, अंक : 22
पृष्ठ : 10+6 = 16, मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 41.0
न्यून. 23.1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

किस्सा-ए-किताब... हर सत्र का दर्द, सस्ती पुस्तकें उपलब्ध लेकिन 'महंगा ज्ञान' अनिवार्य

एनसीईआरटी की किताबों से कई गुना महंगी है निजी प्रकाशकों की पुस्तकें

खास खबर

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

1 अप्रैल से सीबीएसई विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो गई है। निजी स्कूलों ने फिर से पालकों को किताबों की लंबी-चौड़ी सूची थमा दी है। पालकों को निर्देशित भी कर दिया है कि उन्हें कौन सी दुकान से ये किताबें खरीदनी हैं। अध्ययन सामग्री खरीदने जा रहे पालक खाली जेब वापस लौट रहे हैं। यह हर साल का किस्सा है। कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने के कारण प्रत्येक शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में पालकों को अपने जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है और निजी स्कूलों की मनमानी बर्दाश्त करनी पड़ती है। इस वर्ष भी यही हालात निर्मित हैं। किताबें बेहद महंगी हैं।

लौटा रहे केवल किताब मांगने पर

स्कूल किताब-कॉपियों के लिए किसी एक पुस्तक विक्रेता को अधिकृत कर रहे हैं, जो अधिकतम खुदरा मूल्य पर कॉपी और किताबों की बिक्री कर रहे हैं। पुस्तक विक्रेताओं के अधिकृत न होने पर अभिभावकों के पास अन्य दुकानों का विकल्प खुला होता है। इससे उन्हें एमआरपी पर 15 से 20 प्रतिशत तक छूट आसानी ▶▶| शेष पेज 6 पर

- सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों में नया सत्र प्रारंभ, स्कूलों ने तय किया-कहां से कॉपी-किताब खरीदेंगे पालक

मात्र 9वीं कक्षा की किताबों पर काम

निजी प्रकाशक हर साल किताब के कंटेंट में मामूली बदलाव कर उसे नया बताते हैं, जिससे पुरानी किताबें काम नहीं आतीं। कई विद्यालय ऐसे भी हैं, जो निर्धारित विषयों के अतिरिक्त एक्स्ट्रा करिकूलम के नाम पर दर्जनभर किताबें छात्रों को पढ़ा रहे हैं। यदि छात्र कहीं से ▶▶| शेष पेज 6 पर

सूचित करें पालक

अभिभावक अपनी सुविधानुसार किसी भी दुकान से कॉपी-पुस्तकें क्रय करने स्वतंत्र हैं। यदि उन्हें बाधित किया जा रहा है तो वे सूचित करें। निजी स्कूल यह तय नहीं कर सकते हैं कि पालकों को किताबें किस दुकान से खरीदनी है।

- **हिमांशु भारतीय**, जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर

30% किताबें इस्तेमाल ही नहीं

निजी स्कूल जो किताबें खरीदने के लिए कहते हैं, उनमें एटलस, डिक्शनरी, राइटिंग बुक जैसी 30% किताबें ऐसी होती है,जो इस्तेमाल में नहीं आती है। स्कूल इन्हें छात्रों को घर में पढ़ने कहते हैं।

- **दीपक बल्लीवार**, किताब विक्रेता, रायपुर

केवल मार्गदर्शन

निजी स्कूल केवल पालकों को मार्गदर्शन देते हैं कि किताबें उन्हें कहां मिल सकती हैं। किसी स्थान विशेष से खरीदने बाध्य नहीं किया जाता है।

- **राजीव गुप्ता**, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

कागज-कंटेंट एक समान, एक 80 रुपए की और एक 350 रुपए की

राजधानी की अधिकतर बड़ी किताब दुकानें सदर बाजार में हैं। हरिभूमि ने यहां कई दुकान संचालकों से पालक बनकर बात की। एक ही जैसे कागज होने और उसके भीतर के कंटेट भी एक समान होने के बाद भी भिन्न-भिन्न कीमतें पालकों को चुकानी पड़ रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशन अलग हैं। जितने बड़े निजी प्रकाशक उतनी अधिक कीमतें। उदाहरणस्वरूप छात्रों की लिखावट सुधारने के लिए आने वाली राइटिंग बुक 80 रुपए में उपलब्ध है। यही राइटिंग बुक बड़े निजी प्रकाशकों के बैनर तले 350 से 400 रूपए में बिक रही है।

कीमतों में ऐसा अंतर

कक्षा	एनसीईआरटी	निजी प्रकाशक सेट
पहली	195	2000 से 3500 रुपए
दूसरी	260	2000 से 3500 रुपए
तीसरी	390	2500 से 4000 रुपए
चौथी	360	2500 से 4000 रुपए
पांचवी	600	2500 से 5000 रुपए
छठवीं	490	3000 से 5000 रुपए
सातवीं	585	3000 से 5500 रुपए
आठवीं	590	3500 से 5500 रुपए
नवमी	750	4000 से 6000 रूपए
दसवीं	700	4000 से 7000 रूपए

नोट : ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की किताबें छात्रों द्वारा चुने गए विषय समूह जैसे-कला, वाणिज्य, विज्ञान अथवा गणित समूह के आधार पर भिन्न-भिन्न हैं। किंतु किसी भी संकाय की एनएसीईआरटी की किताबें 1500-2000 रुपए के रेंज में ही हैं, जबकि निजी हायर सेकंडरी कक्षाओं की निजी प्रकाशकों की किताबें 4000 रुपए से प्रारंभ होकर 7000 रुपए तक की रेंज में है।

खबर संक्षेप

प. बंगाल में एसआईआर की याचिकाओं पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवायी करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट की 13 अप्रैल की कार्यसूची के अनुसार, इन याचिकाओं पर सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ द्वारा की जाएगी।

त्र्यंबकेश्वर में जल्दी दर्शन के नाम पर ठगी

नासिक। नासिक जिले के प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं से ठगी करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। 'जल्दी दर्शन' करवाने के लिए श्रद्धालुओं से 3,000 रुपए वसूले गए, जबकि निर्धारित प्रक्रिया में 200 रुपए का 'दर्शन पास' खरीदना होता है। यह घटना शनिवार को पंचवटी से आए दो श्रद्धालुओं के साथ हुई।

ट्रेन से ले जाए जा रहे 163 नाबालिगों को बचाया

कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन पर रातभर के अभियान के बाद रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के जवानों ने पटना-पूर्णा एक्सप्रेस से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे करीब 163 नाबालिगों को बचा लिया। इस समूह में शामिल आठ लोगों को बिना टिकट और दस्तावेजों के यात्रा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कटनी पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्र के जबलपुर डिवीजन के तहत भारत के सबसे बड़े रेलवे जंक्शनों में से एक है।

भारत ने बढ़ाई पांच किग्रा एलपीजी की आपूर्ति

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच भारत ने छोटे पांच किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ा दी है। पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन का विस्तार तेज कर दिया है। 23 मार्च से अब तक पांच किलोग्राम के 13 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर बेचे गए हैं और इनकी दैनिक बिक्री एक लाख से अधिक हो गई है।

पूर्व मंत्री और भाजपा नेता हरिनारायण का निधन

बलिया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिनारायण राजभर का रविवार को निधन हो गया। परिवार के अनुसार, 76 वर्षीय राजभर को सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत के बाद शनिवार रात लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। राजभर के परिवार में पत्नी, तीन बेटे और पांच बेटियां हैं। राजभर का जन्म बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के तंगुनिया गांव में हुआ था।

प्रधानमंत्री ने सभी संसदीय दलों के नेताओं को लिखा पत्र

पीएम मोदी ने महिला आरक्षण बिल के लिए मांगा समर्थन, खड़गे ने उठाए सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सभी संसदीय दलों के नेताओं को पत्र लिखकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) के संशोधन पर पूर्ण समर्थन की अपील की है। इस पत्र में पीएम मोदी ने 16 अप्रैल से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में इस ऐतिहासिक संशोधन को सर्वसम्मति से पारित करने की बात कही है, साथ ही भाजपा ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर 16, 17 और 18 अप्रैल को सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। इधर, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सवाल उठाए हैं और कहा है कि सरकार पहले सर्वदलीय बैठक बुलाए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने का समय आ गया है और 2029 के लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे एकजुट होकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन पारित करें। संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र से पहले लोकसभा और राज्यसभा के सदन के नेताओं को लिखे पत्र में मोदी ने यह भी कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाओं को प्रगति करने, निर्णय लेने और सबसे महत्वपूर्ण बात, नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि महिलाएं इस यात्रा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं।

16 से संसद के विशेष सत्र में पेश हो सकता है विधेयक

भाजपा का सांसदों के लिए व्हिप

भाजपा ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी बृहस्पतिवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है। इसने कहा, सभी माननीय केंद्रीय मंत्रियों और सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त तीनों तिथियों पर सदन में उपस्थित रहें। संदेश में कहा गया, सदन में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति सुनिश्चित करें।

इसलिए लिखा पत्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह यह पत्र इसलिए लिख रहे हैं ताकि सभी दल 16 अप्रैल से संसद में होने वाली 'ऐतिहासिक चर्चा' के दौरान इस संशोधन को पारित करने के लिए एकमत होकर अपनी बात रखें। उन्होंने कहा, यह विशेष बैठक हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करने का अवसर है। यह एक ऐसा क्षण भी है जब हम सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहरा सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं इसी भावना और उद्देश्य के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूं।'' मोदी ने आज कहा कि सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सभी के सामने है।

जल्दबाजी कर रही सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा है कि परिसीमन और अन्य पहलुओं के विवरण के बिना महिला आरक्षण कानून पर कोई भी सार्थक चर्चा करना 'असंभव' होगा। उन्होंने मांग की कि इस मामले पर एक सर्वदलीय बैठक 29 अप्रैल को राज्यों में चुनावों का मौजूदा दौर समाप्त होने के बाद बुलाई जाए। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा कि राज्यों में चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना इस धारणा को बल देता है कि सरकार 'राजनीतिक लाभ' के लिए महिला आरक्षण कानून को लागू करने में जल्दबाजी कर रही है। उन्होंने इस मांग को दोहराया कि परिसीमन मुद्दे पर चर्चा करने के लिए 29 अप्रैल के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलायी जाए। इस परिसीमन को नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधनों से जोड़ा जा रहा है।

दिल्ली का सिंगर रायपुर में खपा रहा था समुद्री गांजा नाइट क्लब में सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुर्ग के बाद रायपुर सिविल लाइंस पुलिस ने दिल्ली के एक तस्कर के कब्जे से समुद्री गांजा जब्त किया है। जब्त समुद्री गांजा को ओसियन ग्रोथ (ओजी) के नाम से भी जाना जाता है। जब्त 114 ग्राम गांजा की कीमत ढाई लाख रुपए आंकी गई है। साथ ही पुलिस ने दिल्ली के तस्कर से पौने तीन किलो सामान्य गांजा भी जब्त किया है। तस्कर समुद्री गांजा को कुरियर के माध्यम से मंगाकर पार्टी, क्लब में खपाने का काम कर रहा था।

समुद्री गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस ने दिल्ली ईस्ट निवासी रितिक पसरिचा (26) को गिरफ्तार किया है। रितिक पिछले दो महीने से शंकर नगर स्थित अशोका हाईट्स में किराए के मकान में रहता था। पुलिस के अनुसार ▶▶| शेष पेज 6 पर

सिंगिग की आड़ में तस्करी

रितिक पेशे से सिंगर है। नाइट पार्टी तथा क्लबों में वह गाना गाने के लिए जाता है। क्लब तथा नाइट पार्टी में संपन्न घर के युवक-युवती से नजदीकी बढ़ाकर उन्हें सुमद्री गांजा की आपूर्ति करता था। समुद्री गांजा की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ रुपए प्रति किलो तक बताई जा रही है।

समुद्री गांजा का इस्तेमाल औद्योगिक तथा निर्माण में किया जाता है

सामान्य तथा समुद्री गांजे में जमीन-आसमान का अंतर है। समुद्री गांजे का इस्तेमाल कपड़े, कागज, निर्माण सामग्री (कंक्रीट) और सीबीडी तेल जैसे उत्पादों के लिए किया जाता है। जबकि सामान्य गांजे का उपयोग नशे के लिए किया जाता है।

अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से 57 दिन चलेगा पवित्र सफर

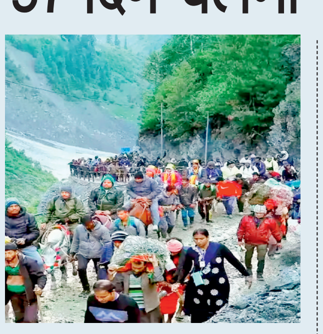

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 57 दिन बाद 28 अगस्त को संपन्न होगी। उपराज्यपाल ने बताया कि 13 से 70 वर्ष की आयु के श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे और पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू होगा। यात्रा की तिथियों पर निर्णय सिन्हा की अध्यक्षता में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की बैठक में लिया गया। सिन्हा ने कहा, अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगी।

- 15 अप्रैल से शुरू होगा पंजीयन, 28 अगस्त को होगी

556 बैंक शाखाओं से अग्रिम पंजीकरण

देशभर में करीब 556 निर्दिष्ट बैंक शाखाओं के माध्यम से अग्रिम पंजीकरण कराया जा सकेगा, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक अपनी शाखाओं के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा प्रदान करेंगे।

पहली पूजा 19 जून को

उपराज्यपाल ने कहा कि पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा दो मार्गों से संचालित होगी। पहला - अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और दूसरा - गांदरबल जिले का अपेक्षाकृत छोटा 14 किलोमीटर लंबा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग।

आरएफआईडी कार्ड और बीमा कवरेज

सिन्हा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को सुगम बनाने के लिए पिछले चार वर्षों में कई नयी पहल शुरू की गई हैं, जिनमें अनिवार्य रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) कार्ड और बीमा कवरेज शामिल हैं। आरएफआईडी कार्ड अनिवार्य कर दिए गए हैं और 100 प्रतिशत तीर्थयात्रियों को ये कार्ड जारी किए जा रहे हैं। सामूहिक दुर्घटना बीमा राशि को पांच लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया गया है, साथ ही टट्टू से श्रद्धालुओं की यात्रा कराने वालों की तीर्थयात्रा के दौरान मृत्यु होने पर 50,000 रुपए की अतिरिक्त सहायता का प्रावधान किया गया है।

गरियाबंद और उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में ढाई महीने में 1100 जगहों पर लगी आग

सुरक्षा में तैनात अग्नि रक्षक का घर फूंका

कार्रवाई : वन विभाग द्वारा जंगल में आग लगाने वाले 23 लोगों को जेल भेजा

हसन खान ▶▶| मैनपुर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के साथ ही गरियाबंद वन मंडल क्षेत्र में इस वर्ष सबसे ज्यादा आगजनी की घटना सामने आई है। अब तक जंगल के भीतर ढाई महीने में 1100 स्थानों पर आगजनी हुई है हालांकि वन विभाग द्वारा सभी जगह आग में काबू पाया जा चूका है, लेकिन ▶▶| शेष पेज 6 पर

हादसे में चारपहिया सवार तीन हुए घायल

कार की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

एनएच 30 के ग्राम आसना के करीब रविवार शाम कार व बाइक के बीच हुई भिड़त में पति-पत्नी की मौत हो गई। हादसे में कार सवार तीन लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, भानपुरी की ओर से बाइक क्रमांक सीजी 17 एलई 0352 में पति- पत्नी आ रहे थे। उसी दौरान जगदलपुर से ▶▶| शेष पेज 6 पर

- एनएच 30 पर ग्राम आसना के समीप हुआ हादसा

कार चालक ने खोया नियंत्रण

बताया जा रहा है कि कार सवार बालेंगा के रहने वाले हैं। जगदलपुर से बालेंगा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख पाया और बाइक को टक्कर मार दी।

नई किरण

प्रीतम सिंह पोयाम का जीवन बना साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरणादायी उदाहरण

दस बरस पहले विस्फोट में दोनों आंख खो चुके जवान को अब दिखा बस्तर का उजाला

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

नक्सलवाद से लड़ते हुए सैकड़ों जवानों ने अपना जीवन न्योछावर कर दिया तो 2 हजार से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल होकर दिव्यांग तक हो गए। इनमें ऐसे जवान भी हैं, जिनके जीवन की रोशनी नक्सलवाद ने छीन ली। ऐसे ही एक जवान हैं कांकेर जिला बल के प्रीतम सिंह पोयाम। आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से उनकी दोनों आंखों को गंभीर क्षति पहुंची और उनकी दृष्टि चली गई। ▶▶| शेष पेज 6 पर

4 भाग
घायल जवानों की कहानी उन्हीं की जुबानी

रावघाट थाना क्षेत्र निवासी प्रीतम सिंह ने बताया कि 1999 में वे कांकेर जिला बल में बतौर आरक्षक पदस्थ हुए थे। अपनी पदस्थापना के दौरान वे रावघाट के अलावा रोहतर, कच्चे, कोयलीबेड़ा थाना में पदस्थ थे। इस दौरान वे नक्सलियों के साथ हुए कई मुठभेड़ में शामिल रहे। 2016 में ▶▶| शेष पेज 6 पर

नहीं मानी हार, कठिन परिस्थितियों का किया सामना

अब भी युवाओं को कर रहे जागरूक

आज जब बस्तर क्षेत्र में शांति और स्थिरता की नई किरण दिखाई दे रही है तब प्रीतम सिंह पोयाम भी इस परिवर्तन की यात्रा का सक्रिय हिस्सा बने हुए हैं। दृष्टि खोने के बावजूद वे आज वह स्थानीय युवाओं और समुदाय के साथ संवाद स्थापित कर तथा नक्सली हिंसा के विरुद्ध लंबे संघर्ष के बाद प्राप्त हुई शांति और सुरक्षा के ▶▶| शेष पेज 6 पर

वीरता एवं साहस की कहानी देती है प्रेरणा

बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जांबाजों के अलावा बस्तर की शांति के लिए अपने आंख, हाथ पैर खोने वाले जवानों की वीरता व साहस की कहानी हमें देश के लिए कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित करती है। जिस तरह रात के अंधेरे के बाद सुबह आना सत्य है, उसी तरह आज नक्सलवाद का समाप्त होना और भय व हिंसा के समाप्त होने के बाद एक नई सुबह का आना, ऐसे ही जांबाजों की वीरता व साहस का परिणाम है।

सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी बस्तर।

चिंतन

कूटनीति की मेज पर फिर बढ़ा अविश्वास का साया

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव को लेकर इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चली दो दौर की लंबी और बहुप्रतीक्षित वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने साफ शब्दों में कहा कि हमने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव दे दिया है, अब देखना है कि ईरान इसे स्वीकार करता है या नहीं। यह बयान केवल एक असफल वार्ता का संकेत नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति में गहराते अविश्वास और टकराव की नई परतों को भी उजागर करता है। इस पूरे घटनाक्रम में इस्लामाबाद एक अहम कूटनीतिक मंच बनकर उभरा, जहां पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। वेंस द्वारा पाकिस्तान की सराहना यह दर्शाती है कि वार्ता की विफलता का कारण मेज़बान देश नहीं, बल्कि दोनों पक्षों के बीच बुनियादी मतभेद हैं। खासकर परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में ढील और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहमति का अभाव साफ नजर आया। वार्ता के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान का टोल टैक्स वसूलने का निर्णय और उस पर अमेरिका की नाकाबंदी की चेतावनी खाड़ी में एक बड़े संघर्ष की नींव रख रही है। यह स्पष्ट है कि ईरान अब अपनी शर्तों पर क्षेत्रीय दबदबा बढ़ाना चाहता है, जो न केवल अमेरिका के लिए, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं (तेल और गैस) के लिए मिडिल ईस्ट पर बहुत अधिक निर्भर है। होर्मुज में चल रहे इस विवाद से भारतीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है और ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका की प्राथमिक चिंता ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। वेंस ने दो टूक कहा कि अमेरिका को साफ और ठोस प्रतिबद्धता चाहिए कि ईरान भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। हालांकि, ईरान की ओर से इस पर कोई स्पष्ट आश्वासन न मिलना इस वार्ता के टूटने की बड़ी वजह बना। यह स्थिति बताती है कि 2015 के परमाणु समझौते के बाद जो भरोसा धीरे-धीरे बना था, वह अब लगभग समाप्त हो चुका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख भी कम चिंताजनक नहीं है। उनका यह कहना कि समझौता हो या न हो, कोई फर्क नहीं पड़ता, यह कूटनीति की गंभीरता को कमतर आंकने जैसा है। ट्रंप की आक्रामक रणनीति और त्वरित परिणामों की चाह, दीर्घकालिक शांति प्रयासों के रास्ते में बाधा बनती दिख रही है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है और इसका बंद होना न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इस पूरी प्रक्रिया में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि लगभग आधी सदी की दुश्मनी के बाद दोनों देश आमने-सामने बैठे। यह अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट है कि संवाद की यह शुरुआत बेहद नाजुक है। अगर इसे सही दिशा नहीं मिली, तो यह अवसर भी अतीत की तरह विफलता में बदल सकता है। इस्लामाबाद वार्ता की असफलता यह संदेश देती है कि केवल फाइनल ऑफर देने से कूटनीति सफल नहीं होती। इसके लिए धैर्य, लचीलापन और आपसी भरोसे की आवश्यकता होती है। अंततः, यह वार्ता भले ही किसी समझौते पर खत्म न हुई हो, लेकिन इसे एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। एक ऐसा अवसर, जो भविष्य में संवाद के नए रास्ते खोल सकता है। यदि दोनों पक्ष अपने रुख में नरमी लाते हैं और क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं, तो यह असफलता भी एक बड़ी सफलता की भूमिका बन सकती है।

श्रद्धा स्मरण
डॉ. घनश्याम बादल

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी।

'अभी न जाओ छोड़ कर...'

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फ़िल्म जगत को लगातार बड़े नाम के जाने से झटका लगा है। अभी चले गए कलाकारों के गम को सिने जगत भूल भी नहीं पाया था कि रविवार 12 अप्रैल को चंचल, शोख व रोमांटिक फिल्मी गीतों की अद्भुत गायिका, गायन क्षेत्र की लाइट हाउस, सुरों की मल्लिका और गीत, ग़ज़ल, पॉप के साथ-साथ भजन एवं शास्त्रीय गीतों की स्टूडियो में सबसे ज्यादा एकल गीत रिकॉर्ड करने वाली आशा भोसले भी छोड़ कर चली गई हैं।

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी। परिवार में बड़ी दीदी लता मंगेशकर के साथ उनका संबंध हमेशा विशेष रहा। दोनों ही बहनें अपने-अपने ढंग से संगीत की साधक थीं। यद्यपि पेशेवर प्रतिस्पर्धा की चर्चाएं समय-समय पर होती रहीं, परंतु निजी जीवन में यह रिश्ता सम्मान, स्नेह और एक-दूसरे की कला के प्रति गहरी समझ से भरा रहा। छोटी बहन उषा मंगेशकर के साथ भी उनका रिश्ता आत्मीयता और सहयोग का रहा, जहां परिवार की डोर ने हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जोड़े रखा। यह वही पारिवारिक पृष्ठभूमि थी, जिसने आशा को न केवल एक महान गायिका बनाया, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर दृढ़ बने रहने की शक्ति भी दी। कम उम्र में उन्होंने गणपत राव भोसले से विवाह किया, जो परिवार की इच्छा के विरुद्ध था।

यह संबंध अधिक समय तक टिक नहीं सका और वैवाहिक जीवन में आए तनावों ने अंततः अलगाव का रूप ले लिया। इस टूटन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, लेकिन यहीं से उनके जीवन का वह अध्याय शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने अस्तित्व को पूरी तरह संगीत के हवाले कर दिया। वे अपने बच्चों के साथ एक नई शुरुआत के लिए खड़ी हुईं और संघर्ष के उस कठिन दौर में भी अपनी आवाज़ को कभी थकने नहीं दिया। फिल्मी दुनिया में शुरुआती दौर आसान नहीं था। जहां एक ओर उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर स्वर कोकिला के रूप में फिल्म जगत में छाई हुई थी, वहीं उन्हें लंबे समय तक छोटे बजट की फिल्मों और तथाकथित 'दूसरे दर्जे' के गीतों तक सीमित रखा गया। उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानने वालों में सबसे प्रमुख रहे संगीतकार ओ. पी. नैय्यर, जिन्होंने आशा की आवाज़ में वह चंचलता और ऊर्जा देखी, जो मुख्यधारा के संगीत में एक नई ताजगी ला सकती थी। "आईये मेहरबान" और "जरा हौले-हौले चलो" जैसे गीतों ने उन्हें नई पहचान दी।

इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनका रचनात्मक और व्यक्तिगत संबंध भारतीय संगीत इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में गिना जाने लगा। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम" और "चुरा लिया है तुमने" जैसे गीतों ने न केवल उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वे हर शैली, चाहे वह कैबरे हो, ग़ज़ल हो या पॉप सबमें समान अधिकार से गा सकती हैं। फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के साथ भी उनके संबंध बेहद पेशेवर और सृजनात्मक रहे। गुरुदत्त की फिल्मों में उनकी आवाज़ ने संवेदनशीलता को नया आयाम दिया, तो विजय आनंद की फिल्मों में उनकी गायकी ने आधुनिकता और रोमांच का नया रंग भरा। संगीतकारों में खय्याम के साथ फिल्म उमराव जान के गीत "इन आंखों की मस्ती" ने उनकी गायकी के शास्त्रीय पक्ष को अमर कर दिया। इसी तरह इलैया राजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ भी उन्होंने समय के साथ खुद को ढालते हुए नई पीढ़ी में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। उनके जीवन का हर मोड़ मानो उनके गीतों में ढलता चला गया। "पिया तू अब तो आजा" में उनकी आवाज़ की बेचैनी, "दम मारो दम" में विद्रोह की धुन, "इन आंखों की मस्ती" में ठहराव और गहराई, सब उनके अपने जीवन के अलग-अलग रंगों का ही प्रतिबिंब प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन जाता है। व्यक्तिगत जीवन में आर. डी. बर्मन के साथ उनका विवाह उनके जीवन का स्थिर और सृजनात्मक दौर साबित हुआ, जहां दोनों ने एक-दूसरे की कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके बच्चों, हेमंत भोसले और वर्षा भोसले के साथ उनका संबंध स्नेह और आत्मीयता से भरा रहा, हालांकि जीवन ने उन्हें कई व्यक्तिगत दुःख भी दिए। फिल्म जगत में जहां व्यक्तिगत संबंध एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि लाभ का सौदा रहती है और फिल्म जगत से जुड़े हुए लोगों को आसानी से प्रमोशन और किकबैक मिल जाते हैं, लेकिन आशा भोसले को लता मंगेशकर की छोटी बहन होने का लाभ कम और नुक़सान ज़्यादा हुआ। एक ऐसा लंबा दौर उनके जीवन में आया, जब सुरीली आवाज, गायन की गहरी समझ और पूरे समर्पण के साथ हर शैली में गाने की महारत के बावजूद उनकी प्रतिभा का इस्तेमाल उतना नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। कई बार तो कुछ बातों को लेकर उनके लता मंगेशकर के साथ गहरे मतभेद भी चर्चा में रहे, लेकिन उनके समर्पण और श्रेष्ठ गायन के चलते समय के साथ उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा गया, लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है जो उन्हें करोड़ों श्रोताओं से मिला। उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद उनका संगीत के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। उनकी विरासत केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संपूर्ण भारतीय संगीत जगत में व्यापक रूप से फैली हुई है। आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं। वह आख़िरी समय तक सुरों की साधना में लीन रहीं। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक पूरे युग की प्रतिनिधि गायिका रही हैं, एक ऐसा युग, जिसकी हर धुन, हर गीत और हर स्वर भारतीय संगीत की आत्मा में हमेशा गूंजता रहेगा, जैसे कोई मधुर पुकार-"पिया तू...अब तो आजा..."।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नमन
कृति जैन

आशा भोसले : सुरों की वह शक्ति, जो इतिहास बन गई

आज का संगीत संसार एक ऐसी रिक्तता के सामने खड़ा है, जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। आशा भोसले के निधन ने भारतीय संगीत की उस धड़कन को मौन कर दिया है, जो कई पीढ़ियों की भावनाओं में जीवित रही। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। फेफड़ों के संक्रमण, थकान और बढ़ती उम्र ने शरीर को दुर्बल किया, पर उनकी स्वर-छवि स्मृतियों में अमर है। ओ. पी. नैय्यर से लेकर आर. डी. बर्मन तक, उनकी गायकी ने हर दौर को नई पहचान और रंग दिया। इस शोक में भी ऐसा लगता है मानों उनकी धुनें अब भी हवा में तैर रही हों- जैसे संगीत उन्हें पूरी तरह विदा करने को तैयार न हो। बचपन की कठिनाइयों से उभरकर आशा ने संगीत को ही अपना सहारा बना लिया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में मंगेशकर परिवार में जन्मी आशा केवल नौ वर्ष की थीं, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इसके बाद परिवार मुंबई आ गया, जहां अभाव और संघर्ष के बीच उन्होंने बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ संगीत की शिक्षा ली। सोलह वर्ष की आयु में 1949 में उन्होंने गणपतराव भोसले से विवाह किया, जिसे परिवार की स्वीकृति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने संकल्प को बनाए रखा। 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने पार्श्वगायन की शुरुआत की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक संगीत यात्रा बनी। यह शुरुआत एक ऐसी सशक्त आवाज़ का उदय थी, जिसने भारतीय सिनेमा संगीत को नई दिशा और पहचान दी। उनके करियर में सफलता और ऊंचाइयों की शृंखला मिलती है। ओ. पी. नैय्यर के साथ गीतों में चंचलता उभरी, जबकि आर. डी. बर्मन के साथ उन्होंने प्रयोगधर्मिता का नया दौर शुरू किया। 'तीसरी मंजिल' का 'आजा आजा', 'हरे राम हरे कृष्णा' का 'दम मारो दम' और 'उमराव जान' का 'दिल चीज क्या है' भारतीय संगीत की पहचान बन गए। उन्होंने 12,000 से अधिक गीत हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका का दर्जा मिला। शंकर-जयकिशन, खय्याम, इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ उनकी आवाज़ ने नया जादू रचा। वे केवल पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक स्वर-शक्ति थीं, जिसने हर शैली को नया रूप दिया। 1980 के आसपास आर. डी. बर्मन के साथ उनके संबंधों ने उनके जीवन में भावनात्मक मोड़ जोड़ा, जिसकी चर्चा हुई। उन्होंने 'आशा' नाम से रेस्तरां शृंखला शुरू की, जिसने दुबई से दोहा तक पहचान बनाई। 2013 में फिल्म 'माई' से उन्होंने अभिनय में भी कदम रखा। उनका यह बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें एक सशक्त और प्रेरक हस्ती बनाता है। आशा भोसले को उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, सात फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने भजन, ग़ज़ल, पॉप और वेस्टर्न संगीत में भी अपनी सशक्त आवाज़ दी, जिससे उनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक पहुंचा। 'ये मेरा दिल' जैसे गीतों में हेलेन के लिए उनकी गायकी ने अलग पहचान बनाई, वहीं 'लगान' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी उपस्थिति ने नई ऊर्जा दी। कॉर्नरशॉप के 'ब्रिमफुल ऑफ आशा' और क्रोनोस क्वार्टेट के साथ सहयोग ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट स्थान दिलाया। उनकी सॉप्रानो आवाज़ ने भारतीय संगीत की सीमाएं लांघकर विश्व संगीत में भी अमिट छाप छोड़ी। वे हर शैली में सहज रहीं और हर प्रयोग को सफलता में बदलती रहीं।

जीवन के अंतिम वर्षों में भी आशा भोसले पूरी तरह सक्रिय रहीं। उन्होंने डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। 2026 में गोरिलाज जैसे अंतरराष्ट्रीय समूह के साथ उनका अंतिम सहयोग उनकी प्रयोगधर्मिता और नवाचार के प्रति समर्पण का सशक्त प्रमाण बना। उनकी पोती जनाई भोसले भी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित है। आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। फिर भी यह अंत पूर्ण नहीं, क्योंकि उनके गीत समय के साथ अमर रहेंगे। आज देश और दुनिया भर में उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जा रहा है। उनका नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। आशा भोसले-एक स्वर-आत्मा, जो समय से परे जाकर भी अमर है और सुरों की दुनिया में सदा प्रकाश बनकर चमकती रहेगी।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मेहनत के बाद भी नहीं मिल रही सफलता?

संकलित
दर्शन

संसार में किसी भौतिक वस्तु या सुख प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। पुरुषार्थ प्राथमिक आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त वांछित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ऊर्जा, कौशल, दैव (प्रारब्ध या सौभाग्य) और तत्परता (इच्छाशक्ति) भी आवश्यक है। ये पांच तत्व अत्यंत अनिवार्य हैं। अतः पुरुषार्थ करें। यह विश्वास रखें कि सौभाग्य आपके साथ है और फिर कौशल अर्जित करें।

अपनी ऊर्जा और कौशल को कैसे बढ़ाया जाए? जब आप ध्यान और मंत्रोच्चार के द्वारा अपने भीतर की सकारात्मकता को जाग्रत करते हैं, तो यह आपके कौशल, ऊर्जा और सौभाग्य में वृद्धि करता है। इन तीनों के होने के पश्चात भी, आपको पुरुषार्थ करना होगा और फिर यह फलीभूत होने में अपना नियत समय भी लेगा। हमें अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए निरंतर कर्म करते रहना होगा; प्रारंभिक समय में बार-बार मिलने वाली असफलता की परवाह किए बिना हमें सतत प्रयास करते रहना चाहिए। प्राचीन वेदों एवं शास्त्रों, वैदिक अनुष्ठानों में, आरंभ में संकल्प का विधान है। संकल्प लें-एक दृष्टि और एक लक्ष्य चुनें और फिर उसे समर्पित कर दें। समर्पण अर्थात उसे ईश्वर को अर्पित करना। यह कहना-"यह मेरी इच्छा है, किन्तु आप जो मेरे लिए श्रेष्ठ समझें। यदि यह या इससे भी उत्तम कुछ हो, तो मैं उसे स्वीकार करने को तत्पर हूं।"

मृत्यु अटल है, जो ये बात समझते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे

संकलित
प्रेरणा

एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तुरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

अंतर्मन

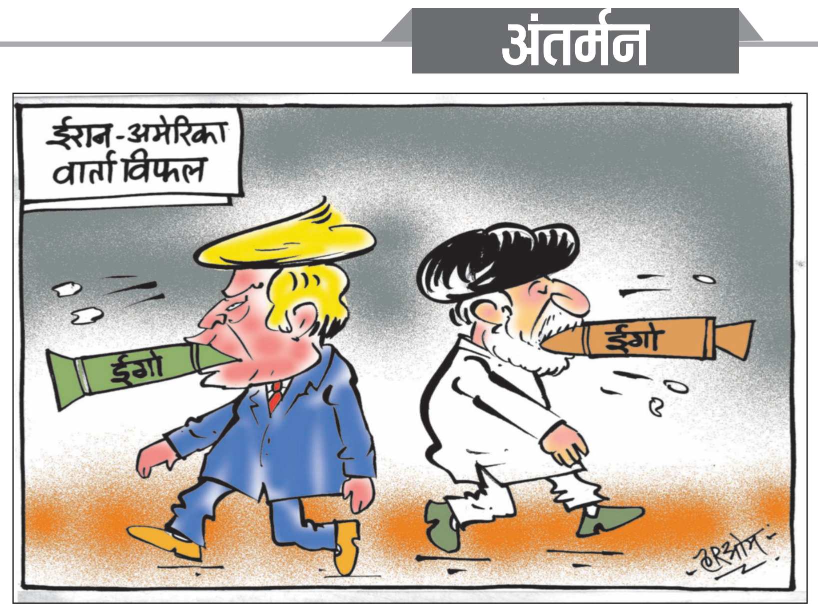

आज की पाती

सांझा चूल्हा से होगी ऊर्जा की बचत

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है- समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है- 'सांझा चूल्हा'। – **संतोष परमार**, भिलाई

ट्रेंड

कस्टम रेंटल सेंटर

हर किसान के लिए बड़ी मशीनें खरीदना संभव नहीं होता, इसलिए पंचायत स्तर पर कस्टम रेंटल सेंटर और मशीन बैंक विकसित किए जाएंगे। इससे किसानों को उचित किराए पर आधुनिक मशीनों का उपयोग करने में सुविधा मिलेगी।
- **शिवराज सिंह चौहान**, केंद्रीय कृषि मंत्री

महिला नेतृत्व में विकास

अब महिलाओं की शक्ति ही देश की दिशा तय करेगी। देश के विभिन्न वर्गों की महिलाएं आज प्रधानमंत्री मोदी को सशक्तिकरण के ऐतिहासिक अवसर के लिए धन्यवाद दे रही हैं। चर्चा केवल महिलाओं के विकास तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि महिला नेतृत्व में विकास की होगी।
-**अन्नपूर्णा देवी**, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

सदा अमर रहेंगी आशा

पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। आज संगीत जगत ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया है। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अपने अनगिनत मधुर गीतों के माध्यम से सदा अमर रहेंगी।
-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

महिला विधायक

राज्य में चल रहे चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना इस बात की और पुष्टि करता है कि मोदी सरकार महिलाओं को वास्तव में सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस विधेयक को जल्दबाजी में लागू कर रही है।
- **मल्लिकार्जुन खड़गे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का सिएटल में अनावरण किया गया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद के सम्मान में स्थापित की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है। भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है।'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है।

ऑफ बीट

सौ वर्षों से हम तारों की दुनिया से हो रहे रूबरू

तारीख थी सात मई 1925। प्राचीन काल से ही लोग तारों और ग्रहों को अपने-अपने तरीके से समझने का प्रयास करते आएं हैं। 1700 के दशक में, सौरमंडल का एक घड़ीनुमा मॉडल, ऑरेरी, विकसित किया गया। "प्लैनेटोरियम" यानी तारामंडल शब्द का आविष्कार ग्रहों को दर्शाने वाले 'ऑरेरी' का वर्णन करने के लिए किया गया था। खगोलशास्त्री ईसे ईसिंगा ने एक कमरे के आकार का ऑरेरी मॉडल तैयार किया था। यह आज भी नीदरलैंड के फ्रैनेकर में काम कर रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए कोई भी मनुष्य सौरमंडल के आसपास नहीं गया है। ऑरेरी और ब्रह्मांड के अन्य यांत्रिक मॉडल जैसे आकाशीय ग्लोब ही बाहरी परिप्रेक्ष्य से दृश्य प्रस्तुत करते हैं। तारों और ग्रहों को वास्तविक रूप से देखने की इच्छा 20वीं सदी की शुरुआत में तेजी से बढ़ी, क्योंकि बढ़ते शहरीकरण से होने वाले प्रदूषण ने रातों में दिखने वाले आकाश को धुंधला कर दिया था। जर्मनी के म्यूनिख में स्थित डॉयचे संग्रहालय के प्रथम निदेशक ओस्कर वॉन मिलर जैसे लोग तारों और ग्रहों से सभी को रूबरू कराना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि वॉन मिलर के करियर की शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में हुई थी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

GALGOTIAS UNIVERSITY

Ranked Globally. Committed to making India Proud.

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
BY SUBJECT 2026

For Computer Science and Information Systems

NAAC GRADE A+ Accredited University

Ranked 11*th* *in* India amongst Private Universities

Ranked 2*nd* *in* Uttar Pradesh amongst Private Universities

Ranked 30*th* *in* India amongst all Private *and* Government Universities

Ranked 601-650 Band Globally

Launched India's Finest Active Learning Campus

In consultancy collaboration with

INSPIRE
NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM
• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

G-SCALE moves education beyond passive lectures to an environment where students actively engage in real-world problem-solving, collaboration, and experiential learning.

Centre for Drone Intelligence & Simulation

Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab

Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab

HP-Intel AI for Future Workforce Lab

Semiconductor Research Lab

INDUSTRY INTEGRATED ACADEMIC CENTRES

Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs

Advanced Geotechnical and Earth Science Centre

Centre for Design Thinking & Augmented Reality

TATA Technologies Learning Centre

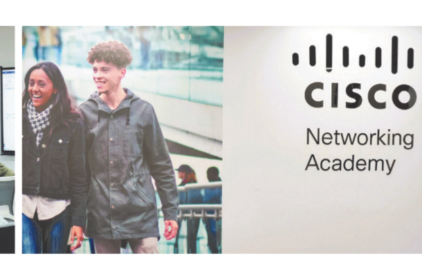

Cisco Centre of Excellence

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSSED 2026–27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES

Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship

For Admissions
Scan to Apply

GALGOTIAS UNIVERSITY

#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **9971026125** **0120-4370000**

Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू की

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने अपने मालवाहक इलेक्ट्रिक ट्रक प्राइमा ई.55एस की आपूर्ति बिलियन-ई मोबिलिटी को शुरू कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे 250 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक ट्रकों की आपूर्ति का भी ऑर्डर मिला है, जिन्हें चरणबद्ध ढंग से गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा के प्रमुख मालढुलाई गलियारों में तैनात किया जाएगा। इन ट्रकों का इस्तेमाल इस्पात, सीमेंट और अन्य औद्योगिक उत्पादों को लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज 77% घटा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का बेहतर नकदी प्रवाह के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध कर्ज 77 प्रतिशत घटकर 200 करोड़ रुपये रह गया। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 31 मार्च, 2026 तक कंपनी का शुद्ध कर्ज 200 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 31 मार्च, 2025 को 880 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक उसके पास 2,770 करोड़ रुपये की नकदी और नकदी समकक्ष मौजूद हैं, जिससे उसका बही-खाता मजबूत बना हुआ है और भविष्य की योजनाओं के लिए बेहतर स्थिति तैयार हुई है। कंपनी के चेयरमैन प्रदीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने संतुलित और अनुशासित वृद्धि पर ध्यान दिया।

12 हजार करोड़ की कंपनी 74 रुपए में बेचनी पड़ी, कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

शेट्टी ने एक समय हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए का अम्पायर खड़ा किया था। लेकिन, कुछ गलतियों की वजह से उनके इस अम्पायर का एक हिस्सा पूरी तरह ढह गया और महज 74 रुपए में बेचना पड़ा। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था, बल्कि कंपनी के डॉक्यूमेंट की बड़ी खामी की वजह से हुआ नुकसान था।

बीआर शेट्टी का जन्म 1 अगस्त, 1942 को उडुपी में हुआ था। उन्होंने मनिपाल से फार्मा की पढ़ाई पूरी की और परिवार में आर्थिक दिक्कत होने की वजह से साल 1973 में यूएई चले गए। वहां सबसे पहले उन्होंने मेडिकल रीप्रेजेंटेटिव यानी एमआर की नौकरी की और साल 1975 में न्यू मेडिकल सेंटर में छोटी सी क्लीनिक शुरू कर दी, जहां उनकी डॉक्टर पत्नी चंद्रकुमारी शेट्टी प्रैक्टिस करती थीं। उन्होंने इलाके के लोगों को सस्ती मेडिकल सर्विस देनी शुरू की जिससे जल्द ही उनकी क्लीनिक काफी पॉपुलर हो गया।

समय के साथ उनकी क्लीनिक की लोकप्रियता बढ़ती गई और सऊदी अरब, ओमान, यूरोप के साथ लैटिन अमेरिका में भी हेल्थकेयर कारोबार पहुंच गया। पैसा आने पर उन्होंने हेल्थकेयर के अलावा साल 1980 में यूएई में मनी ट्रांसफर सर्विस शुरू कर दी। यहां खाड़ी देशों में काम करने वालों को अपने घर पैसे भेजने में मदद की जाती थी। साल 2003 में शेट्टी ने नियोफार्मा नाम से अबु धाबी में फार्मा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की।

हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर का अम्पायर तैयार किया था

लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो गई कंपनी

साल 2012 में एनएमसी हेल्थ यूएई की पहली हेल्थकेयर कंपनी बनी जो लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुई। शुरुआत में इसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर था, जो बाद में बढ़कर 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया। तब शेट्टी की व्यक्तिगत नेट वर्थ बढ़कर करीब 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया था। तब उन्हें भारत सरकार ने पद्म श्री पुरस्कार से भी नवाजा था। शेट्टी के बाद बुर्ज खलीफा में भी लग्जरी प्रॉपर्टी थी।

टूटा भरोसा और ढहने लगा कारोबार

शेट्टी की कंपनी में शुरू हुए फर्जीवाड़े का असर जल्द ही व्यापक रूप से फैलने लगा और यूएई एक्सचेंज के साथ होल्डिंग कंपनी फिनाब्लर पर भी इसका असर पड़ा। 8 अप्रैल, 2020 को यूके हाईकोर्ट ने एनएमसी हैल्थ के खिलाफ प्रशासन पर जांच बैठा दी। 80 से ज्यादा बैंकों ओर कर्जदाताओं को इससे बड़ा नुकसान हुआ।

2019 से शुरू हुआ पतन

शेट्टी के पतन की कहानी साल 2019 से शुरू हुई, जब अमेरिका स्थिति एक शॉर्ट सेलिंग फर्म मडी वॉटर रिसर्च ने एनएमसी हेल्थ के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि कंपनी ने अपने कैश बैलेंस और कर्ज के बारे में निवेशकों से जानकारी छुपाई है। साल 2020 की शुरुआत में एनएमसी हेल्थ ने स्वीकार किया की उस पर 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। जांच में फर्जी दस्तावेज, अनाधिकृत लोन और कमजोर कॉरपोरेट प्रबंधन का भी पता चला। फरवरी 2020 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी व एमडी कृतिवासन ने कहा

टीसीएस ने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी की पेशकश की, और भर्तियां मांग पर निर्भर

एजेंसी ▸▸| मुंबई

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे कॉलेज स्नातकों की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी। टीसीएस के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी, जो देश में निजी क्षेत्र में किसी कंपनी द्वारा की गई भर्तियों का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। एमडी ने कहा कि 2026-27 के दौरान हमने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की पेशकश की है। मांग पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद हम और नियुक्तियां करेंगे। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक 'फ्रेशर्स' को नौकरी दे रही है।

अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं

कृतिवासन ने कहा कि अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए स्नातकों को किसी परियोजना में जोड़ने से पहले करीब नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत काम शुरू कर सकते हैं। ऐसे में भर्ती रणनीति पूरी तरह व्यावसायिक जरूरतों पर निर्भर करती है।

कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन स्थिर

कारोबारी माहौल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन 'स्थिर' है, जो वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि नई मांग विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक बाजारों से आ रही है, जिसमें लागत अनुकूलन और डिजिटल बदलाव से जुड़े सौदे शामिल हैं।

वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की आवश्यकता कम हुई

वित्त वर्ष 2025-26 में हुई लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के लिए लंबे समय तक करियर के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस छंटनी से कोई सीधा संबंध नहीं था, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के तरीके में बदलाव के कारण वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता कम हुई है।

रामा वर्ल्ड में 'रसवी' लांच नेबरहुड बना 'फूड हब'

रायपुर। रसवी, एक लग्ज़री कन्फेक्शनरी ब्रांड, ने रामा वर्ल्ड में अपने पहले फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यह लॉन्च न केवल प्रीमियम मिठाइयों और गिफ्टिंग सेगमेंट में एक नई शुरुआत है, बल्कि रामा वर्ल्ड के विकसित हो रहे "द नेबरहुड" फूड स्ट्रीट का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रसवी को पारंपरिक स्वीट शॉप मॉडल से आगे बढ़ाकर एक डिज़ाइन-आधारित रिटेल कॉन्सेप्ट के रूप में विकसित किया गया है, जो आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं जैसे प्रीमियम अनुभव, आकर्षक प्रस्तुति और क्यूरेटेड चयन को ध्यान में रखता है।

इस एक्सपीरियंस सेंटर में हाई-एंड इंटीरियर्स, बुटीक-स्टाइल डिस्प्ले और अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैकेजिंग एस्थेटिक्स देखने को मिलती हैं। यहां कन्फेक्शनरी और डेज़र्ट्स की एक विशेष रेंज उपलब्ध है, जिसमें कूवर्चर चॉकलेट्स, इंडियन फ्यूज़न स्वीट्स, पारंपरिक मिठाइयाँ, पेस्ट्री, डेज़र्ट्स और कैफे-स्टाइल बेवरेज शामिल हैं। यह मिश्रण पारंपरिक स्वाद और आधुनिक प्रस्तुति का एक संतुलित अनुभव प्रदान करता है। रसवी गिफ्टिंग सेगमेंट में भी एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। ब्रांड फेस्टिव हैम्पर्स, वेडिंग कलेक्शन्स, कॉर्पोरेट गिफ्ट बॉक्सेस और कस्टमाइज्ड चॉकलेट असॉर्टमेंट्स पेश करता है, जिन्हें प्रीमियम पैकेजिंग और आकर्षक डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है। रामा वर्ल्ड विधान सभा रोड रायपुर में विकसित किया गया "द नेबरहुड" एक जीवंत फूड स्ट्रीट है, जहां विविध और क्यूरेटेड फूड एक्सपीरियंस एक साथ लाए जा रहे हैं। रसवी इसी द नेबरहुड का हिस्सा है, जो इस स्पेस को प्रीमियम मिठाइयों और डेज़र्ट्स का एक विशेष आयाम देता है। वर्तमान में यहां "चौपाटी" शुरू हो चुकी है, जो शुद्ध शाकाहारी स्ट्रीट फूड को साफ-सफाई और लग्ज़री अनुभव के साथ परोसती है। यहां ग्राहक अपने दैनिक स्वाद के लिए आरामदायक चाट से लेकर एशियन बाइट्स और ताजगी भरे मॉकटेल्स का आनंद ले सकते हैं। चौपाटी का समय सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक है। आने वाले समय में इस द नेबरहुड में कॉमन कैफे, साउथ इंडियन टेबल, नॉर्थ इंडियन टेबल और ज़ाज़ा पिज़्ज़ा जैसे नए आउटलेट्स भी खुलने वाले हैं, जो इसे रायपुर का एक प्रमुख फूड और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन बनाएंगे। रसवी के लॉन्च और नेबरहुड की शुरुआत के साथ रामा वर्ल्ड तेजी से एक ऐसे वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जहां प्रीमियम रिटेल, गिफ्टिंग और फूड एक्सपीरियंस का एक संतुलित और आधुनिक संगम देखने को मिलता है। रामा ग्रुप के डायरेक्टर प्रखर अग्रवाल ने कहा "रामा वर्ल्ड को एक संपूर्ण डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है, जहां अनुभव-आधारित रिटेल और लाइफस्टाइल ऑफरिंग्स एक साथ मिलती हैं। 'द नेबरहुड' इसी दृष्टि का विस्तार है, और रसवी इस फूड स्ट्रीट में एक प्रीमियम कन्फेक्शनरी एंकर के रूप में जुड़ता है, जो ग्राहकों को एक अलग और उन्नत अनुभव प्रदान करेगा।"

बाजार पूंजीकरण में सबसे आगे एचडीएफसी बैंक रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आई सीआईसीआई बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 4,230.7 अंक या 5.77 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 1,337.5 अंक या 5.88 प्रतिशत के लाभ में रहा।

बाजार में उथल-पुथल के बीच तेल के दाम गिरे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में टकराव के कारण बाजार में उथल-पुथल की स्थिति के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव गिरावट दर्शाते बंद हुए। सप्ताह के दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों में गिरावट रही। केवल सोयाबीन दाना (तिलहन) के दाम स्थिर दिखे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में भी गिरावट रही जिसका देश में तेल-तिलहन के कारोबार पर असर देखने को मिला। सरसों की अच्छी पैदावार भी है मगर इसके बावजूद बाजार में इस बार दाम बहुत टूटे नहीं क्योंकि किसान रोक-रोक कर अपना माल बाजार में ला रहे हैं।

आहाना रिजॉर्ट अपने विस्तार पर दे रहा जोर

रामनगर (उत्तराखंड)। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के हरे-भरे किनारों पर स्थित 14 एकड़ में फैला आहाना रिजॉर्ट पर्यावरण के अनुकूल विस्तार पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। रिजॉर्ट के प्रबंधन ने अपनी विस्तार योजनाओं को पूरी तरह से उत्तराखंड की सीमाओं के भीतर ही रखने का संकेत दिया है।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

न्यायालय तहसीलदार सरगांव, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./38/अ-19/2025-26 ग्राम-सरगांव, प.ह.नं. 12

दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से ईश्तहार

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत सरगांव से पत्र क्र. 575 दिनांक 09.09.2025 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर नगर पंचायत सरगांव क्षेत्रांतर्गत 02 एस.टी.पी. निर्माण क्रमशः 1. वार्ड क्रमांक 13 नगर पंचायत कार्यालय भवन के बगल में प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. सरगांव, तह. सरगांव ख.नं. 2059/1 रकबा 20.5910 हे. में से 1.50 एकड़ तथा 2. वार्ड क्रमांक 02 डबरी के पास की भूमि प.ह.नं. 12 रा.नि.नं. सरगांव तह. सरगांव, ख.नं. 1746/1 रकबा 31.4200 हे. में से 1 एकड़ भूमि मांग किया गया है।

उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें आगामी सुनवाई दिनांक 13/04/2026 को नियत है। अत: उक्त संबंध में जिस भी व्यक्ति को दावा आपत्ति पेश करना हो वह इस न्यायालय में उक्त तिथि को प्रात: 11 बजे उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

आज दिनांक 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार
सरगांव, जिला मुंगेली (छ.ग.)

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR, DIST. - M.C.B. (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No./ 39/P.W.D./N.P./2026-27/ Janakpur, Dated: 10/04/2026

System Tender No.	Name of Work	Probable Amount of Contract	Bid Submission Due Date	Tender Status
188744	Construction Of B.T. Road At Ward 15 Hotel Diamond To Main Road Janakpur.	15.72 Lacs	Dated 21.04.2026 Time 17.30 Hour	3rd Call
188745	Construction Of Muktidham At Ward 02 Janakpur.	24.19 Lacs	Dated 04.05.2026 Time 17.30 Hour	1st Call

The Details Can Be Viewed And Downloaded Online Directly From The Government Of Chhattisgarh E-Procurement And Urban Administration And Development Department Portal **http://eproc.cgstate.gov.in On 10/04/2026, 22:30 Hours (IST) On Wards.** For More Details On The Tender And Bidding Process You May Please Visit The Above-Mentioned Portal.

**CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR
DIST. - M.C.B. (C.G.)**

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित मुंगेली
(छ.रा.वि.मं.की एक उत्तरवर्ती कंपनी) (छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)

क्र./03348 / सामान्य / प्रकाशन / 160 मुंगेली, दिनांक 10.04.2026

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 13.04.2026 को 220 केवी सब स्टेशन मोपका में 160 एम.वी.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना हेतु कार्यालय कार्यपालन यंत्री मुंगेली संभाग के अंतर्गत 132 केव्ही मुंगेली सब स्टेशन निकलने वाले 33 केव्ही मेन लाईनों सब स्टेशन फीडरों का शट डाऊन प्रस्तावित है। जिस हेतु विद्युत आपूर्ति निम्नानुसार बंद रहेगी।

नोट : समय सुबह 09.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक

क्रमांक	दिनांक	संभाग/उपसंभाग का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	13.04.2026	पथरिया उपसंभाग के 132 केव्ही सब स्टेशन से निकलने वाले सरगांव, रामबोड़ व बावली 33 केव्ही फीडर	33 के.व्ही. सरगांव फीडर	11 केव्ही सरगांव फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
2				11 केव्ही मोहभट्ठा फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
3				11 केव्ही सांवा फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
4				11 केव्ही किरना फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
5				11 केव्ही पेंडी फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
6				11 केव्ही धूमा फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
7				11 केव्ही पेंड्री पंप फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
8				11 केव्ही धूमा पंप फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
9				11 केव्ही मोहभटठा पंप फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
10			33 के.व्ही. रामबोड़ फीडर	11 केव्ही रामबोड़ फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
11				11 केव्ही खम्हारडीह फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
12				11 केव्ही धमनी फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
13				11 केव्ही रामबोड़ पंप फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
14			33 के.व्ही. बावली फीडर	11 केव्ही बावली फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
15				11 केव्ही घरदेई फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
16				11 केव्ही खरसोला फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित
17				11 केव्ही धरदेई पंप फीडर से निकलने वाले समस्त ग्राम व क्षेत्र प्रभावित

आवश्यकतानुसार समयावधि बढ़ाई या घटाई जा सकती है। समस्त माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

"विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है।"
"विद्युत देयकों का भुगतान समय पर करें।"

संवाद - कार्यपालन यंत्री (संचा/संधा) संभाग
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या. मुंगेली

शब्द पहेली - 6194

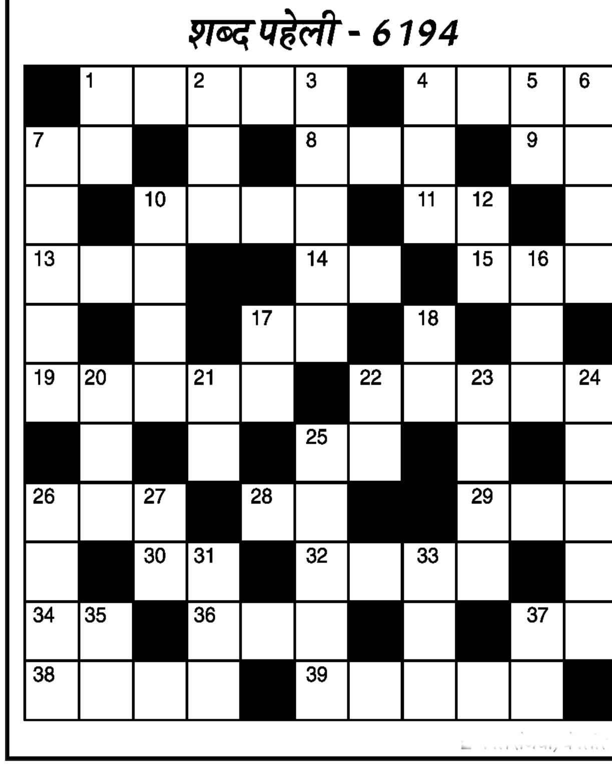

बाएँ से दाए
1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली - 6193 का हल

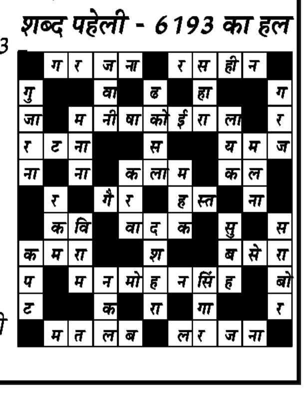

सूडोकु नवताल - 6204

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6203 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

केवल चालान काट रहे पुलिस के कैमरे, अपराधियों को पकड़ने में फिसड्डी

पुलिस की नाक के नीचे थाना परिसर के बाहर खड़े मालवाहक की चोरी, कैमरे पर उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

पुलिस के कैमरे केवल वाहनों की नंबर प्लेट ही रीड कर पा रहे हैं, अपराधियों को पकड़ नहीं पा रहे। उनकी तस्वीरें धुंधली आ रही हैं। तुर्रा यह कि पुलिस ने अघोषित रूप से शहर में भी हेलमेट अनिवार्य कर दिया है और थोक में चालान काटकर वसूली कर रही है।

गौरतलब है, राजधानी की बढ़ती आबादी की सुरक्षा तथा ट्रैफिक मैनेजमेंट ठीक करने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी के माध्यम से राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों समेत 530 अलग-अलग स्थानों पर इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत कैमरे लगाए गए थे। कैमरों के माध्यम से ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों से लेकर शहर के अंदर बगैर हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाने वालों की पहचान की जा रही है, लेकिन संगीन अपराध कर फरार होने वालों को पहचानने में कैमरे की आंखें खराब हो जाती हैं। ज्यादातर अपराधी निजी संस्थानों और क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से पकड़े गए हैं। इसका कारण कैमरे का सही ढंग से रखरखाव नहीं होना है। आईटीएमएस के तहत लगाए गए

530 में से 90 कैमरे खराब हो गए हैं। इस संबंध में पुलिस अफसरों से संपर्क करने पर उनका कहना है कि कैमरों का रखरखाव नगर निगम के साथ स्मार्ट सिटी प्रबंधन करता है।

निगम कमिश्नर विश्व दीपक से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी की मदद से जो कैमरे तकनीकी खामी की वजह से बंद हो गए थे, उन्हें ठीक कर लिया गया है। आईटीएमएस के तहत लगाए गए कैमरों के रखरखाव तथा मरम्मत का काम पांच साल के लिए एलएंडटी कंपनी को दिया गया था। अवधि पूरी होने के बाद टेंडर दो साल के लिए एक्सटेंशन कर दिया गया है।

पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने कैमरों की मदद से पौने दो लाख से ज्यादा ट्रैफिक उल्लंघन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ई-चालान भेजे हैं। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के अनुसार, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लगाए गए आईटीएमएस कैमरों की मॉनिटरिंग के साथ चालानी कार्रवाई के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य किया जाता है। जो चालान की राशि जमा होती है, वह एनआईसी के पोर्टल पर जमा होती है। इसका ट्रैफिक पुलिस से कोई संबंध नहीं है। फाफाडीह में नो एंट्री के समय मालवाहक वाहन सीजी-12, बीएच-3683 के प्रवेश करने पर ट्रैफिक पुलिस ने पिछले सप्ताह कार्रवाई करते हुए उसे जब्त कर गंज थाने से सटे फाफाडीह ट्रैफिक थाना परिसर के बाहर दीवार से सटाकर पार्क कर दिया। कोर्ट में चालान जमा करने में देर होने की वजह से वाहन दो दिन तक खड़ा रहा। अज्ञात चोर गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात उक्त वाहन चोरी कर ले गया। फाफाडीह ट्रैफिक थाना मुख्य चौराहे पर है। वहां आईटीएमएस के साथ थाने में भी कैमरे लगा हुए हैं। इसके बाद भी अब तक आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है। मेटाडोर जिस रास्ते से गया होगा। उस मार्ग से वाहन आईटीएमएस के साथ कई निजी सीसीटीवी कैमरों की नजर से गुजरा होगा। तीन माह पूर्व जनवरी में शहर के व्यस्त इलाके देवेंद्र नगर तथा पंडरी क्षेत्र में कार का शीशा तोड़कर दो बड़ी उठाईगिरी की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस ने निजी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की थी। पुलिस को आईटीएमएस कैमरों से किसी तरह से कोई मदद नहीं मिली।

कैमरे अपग्रेड करना जरूरी

ट्रैफिक के साथ लोगों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगाए गए आईटीएमएस कैमरों को और अपग्रेड करने की जरूरत है। कैमरों की रेंज और बढ़ाने की जरूरत है। कैमरों का इंस्टालेशन 2016 में किया गया था। इसके बाद वर्ष 2018 में आईटीएमएस कैमरों से मॉनिटरिंग शुरू की गई। इस लिहाज से कैमरों की क्षमता पहले से कम हुई है। आईटीएमएस कैमरे कई गाड़ियों के गलत नंबर रीड कर लेता है। इससे वाहन मालिक को परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक दशक पुराने कैमरों को रिपेयरिंग कर चलाया जा रहा है।

डगनिया में ट्रांसफार्मर में लगी आग, घरों के सर्विस तार जले

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी के रहवासी इलाकों में बिजली ट्रांसफार्मर के चारों तरफ बिजली और केबल के तारों के गुच्छे होने से लोग परेशान हैं। इससे आकस्मिक आगजनी और गर्मी तथा बारिश के सीजन में दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ठाकुर प्यारेलाल वार्ड की शांति विहार कॉलोनी डगनिया में ट्रांसफार्मर में शनिवार की मध्यरात्रि आग लग गई। मोहल्लेवासियों ने विद्युत विभाग को इसकी सूचना दी और कॉलोनीवासियों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। इस दौरान आसपास के पूरे इलाके की बिजली गुल कर दी गई। पता चला कि इस आग में आसपास के सभी घरों के खंबे में लगे सर्विस वायर जल गए। घंटों बिजली गुल होने से लोग पसीने और मच्छरों से परेशान होते रहे। भुक्तभोगियो का कहना है, इस क्षेत्र के ट्रांसफार्मर में हर साल गर्मी में 2 से 3 बार आग लगती ही है। इसका मुख्य कारण ट्रांसफार्मर के चारों तरफ स्ट्रीट पोल पर मकड़ी के जाल की तरह विद्युत तार और केबल सैंकड़ों की संख्या में लटकते रहते हैं। यही स्थिति बाजार चौक डगनिया, तरुण नगर सहित अन्य रहवासी इलाकों में भी बनी हुई है।

पूर्व पार्षद गोपी साहू सहित शांति विहार कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि विद्युत विभाग के अधिकारियों और बिजली कंपनी के संज्ञान में रहने के बाद भी रखरखाव में लापरवाही बरतना गलत है। इस ओर तत्काल संज्ञान लिया जाए, ताकि इस तरह के घटना की पुनरावृत्ति न हो। केबल विद्युत पोल से तत्काल हटाए जाएं, ताकि बिजली व्यवस्था में किसी तरह का अवरोध न हो। यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वार्डवासी सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे।

विप्र कॉलेज में छात्रवृत्ति के लिए दान किए दो लाख

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा माहाविद्यालय की शिक्षा विभाग के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 2 लाख रुपए की दान राशि प्रदान की है। यह राशि विप्र समाज के सदस्य आलोक शर्मा एवं गायत्री शर्मा ने अपने पिता स्व. सतानंद शर्मा (सेमरा वाले) की स्मृति में रविवार को दी है। इसी दौरान प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र समाज के सदस्यों द्वारा प्राप्त दानराशि से प्रबंध समिति प्रतिवर्ष शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, विज्ञान, कंप्यूटर एवं वाणिज्य संकाय के मेधावी एवं उत्कृष्ट लगभग 25 से 30 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति के माध्यम से सहयोग प्रदान करती है। आलोक शर्मा ने बताया कि अपने पिता स्व. सतानंद शर्मा की स्मृति में उत्कृष्ट एवं मेधावी विद्यार्थियों को योग्य शिक्षक बनाने के लिए छात्रवृत्ति के माध्यम से सहयोग करके खुशी महसूस हो रही है। शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विप्र महाविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आलोक शर्मा द्वारा प्राप्त यह सहयोग प्रबंध समिति और शिक्षकों को और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

इग्नू ने फिर बढ़ाई तिथि 26 तक भर सकेंगे फॉर्म

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जून 2026 टर्म-एंड परीक्षा के लिए आनलाइन परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय के छात्र मूल्यांकन प्रभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब अभ्यर्थी 26 अप्रैल तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। पूर्व निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद छात्रों को राहत देते हुए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें। 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक परीक्षा फार्म भरने वाले अभ्यर्थियों को 1100 रुपए विलंब शुल्क देना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) तथा आनलाइन प्रोग्राम दोनों के विद्यार्थियों के लिए लागू होगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इससे पहले इग्नू ने जनवरी सत्र के लिए एडमिशन की लास्ट डेट को आगे बढ़ाई थी। छात्रों को 10 अप्रैल तक का समय ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए दिया गया था। इग्नू ने यूजी,पीजी, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम के लिए आवेदन मंगाए थे। पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण इग्नू ने आवेदन तिथि में कई बार वृद्धि की थी। सर्वप्रथम छात्रों को जनवरी अंत तक का समय दिया गया था। तत्पश्ता फरवरी, मार्च और अंततः 10 अप्रैल तक का समय आवेदन के लिए दिया गया। इग्नू ने असाइनमेंट जमा करने की तिथियों में भी वृद्धि की थी।

स्कूलों को बताना होगा-विद्यार्थियों को पढ़ा रहे कौन सी भाषा?

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सीबीएसई ने 2026-27 से कक्षा 6 में तीसरी भाषा अनिवार्य कर दी है। स्कूलों को 7 दिन में इसे लागू करना होगा। किताबें उपलब्ध न होने पर भी पढ़ाई शुरू करनी होगी। चुनी गई भाषा ही आगे कक्षा 9-10 में विकल्प बनेगी। जारी आधिकारिक सर्कुलर में बोर्ड ने इसे "तत्काल और अनिवार्य" बताते हुए सभी संबद्ध स्कूलों को 16 अप्रैल तक इसे लागू करने का निर्देश दिया है। बोर्ड ने कहा है कि कई स्कूल पहले ही इस व्यवस्था को लागू कर चुके हैं, जबकि बाकी सभी स्कूलों को तय समय सीमा के भीतर इसका पालन करना होगा।सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों को तीसरी भाषा की पढ़ाई तुरंत शुरू करनी होगी, भले ही उसकी आधिकारिक किताबें अभी उपलब्ध न हों। सर्कुलर में कहा गया है कि स्कूल फिलहाल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध किताबों और अध्ययन सामग्री का उपयोग कर पढ़ाई शुरू करें। आधिकारिक पाठ्यपुस्तकें जल्द उपलब्ध करा दी जाएंगी।

क्षेत्रीय कार्यालय करेंगे निगरानी

स्कूलों को अपनी चुनी गई तीसरी भाषा की जानकारी औपचारिक रूप से देनी होगी और इसे पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य होगा। बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय इस प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। सीबीएसई ने यह भी साफ किया है कि कक्षा छठवीं में जो तीसरी भाषा शुरू की जाएगी, वही आगे नवमी और दसवीं कक्षा में विकल्प के रूप में उपलब्ध होगी। इसका मतलब है कि स्कूलों को भाषा का चयन सोच-समझकर करना होगा, क्योंकि बाद में विकल्प सीमित रहेंगे।

यह है थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला

यह फैसला स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के तहत लिया गया है। इस फॉर्मूले में छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ाई जाती हैं। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी भारतीय भाषा या अंग्रेजी तथा तीसरी भाषा या एक अतिरिक्त

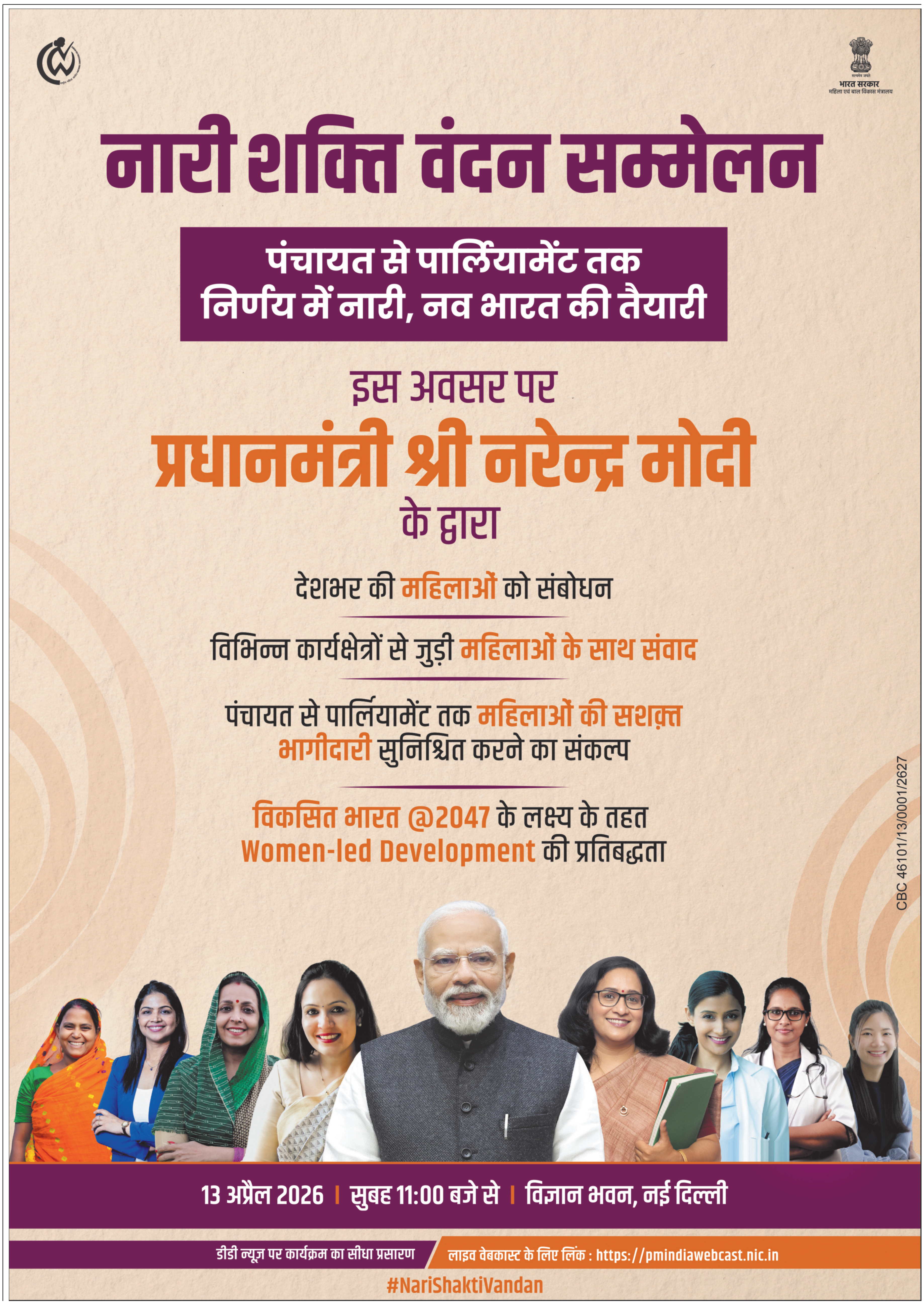

प्रथम पृष्ठ का शेष

वार्ता फेल, अब...

वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका द्वारा अपना 'अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव' प्रस्तुत किए जाने के बावजूद ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्ति के लिए वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया। वेंस ने कहा कि शांति समझौता नहीं होने का मुख्य कारण तेहरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ना था। ईरानी दल के प्रमुख और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि यह अमेरिका को तय करना है कि वह 'हमारा विश्वास जीत सकता है या नहीं।' ईरानी विदेश मंत्रालय ने विस्तार से बताए बिना कहा कि अमेरिकी पक्ष ने 'अत्यधिक' और 'अवैध मांगें' रखीं। समझौता नहीं होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोले जाने की संभावना धूमिल हो गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू करेगा या नहीं। पाकिस्तान की राजधानी से रवाना होने से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में वेंस ने कहा, हम पिछले 21 घंटे से बातचीत कर रहे हैं। अच्छी खबर यह है कि हमने ईरानियों के साथ कई महत्वपूर्ण चर्चाएं की हैं। उन्होंने कहा, बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं और मुझे लगता है कि यह अमेरिका के लिए जितनी बुरी खबर है उससे कहीं अधिक ईरान के लिए बुरी खबर है। इस बीच, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इसहाक डार ने कहा कि इस्लामाबाद ईरान-अमेरिका शांति वार्ता में सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच संवाद और बातचीत को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाता रहा है और आने वाले दिनों में भी ऐसा करना जारी रखेगा। **सीजफायर पर संशय, गहराएगा ऊर्जा संकट**-इस वार्ता की विफलता ने दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम की प्रभावशीलता और वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की संभावनाओं पर संदेह पैदा कर दिया है। पाकिस्तान की भूमिका इस क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई है। **शांति वार्ता पर भारी तनावपूर्ण माहौल**-ट्रंप ने बातचीत से ठीक पहले और उसके दौरान भी लगातार आक्रामक बयान दिए। उन्होंने यहां तक चेतावनी दी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका फिर से हमले शुरू करेगा। इस तरह के बयान ईरान के लिए स्पष्ट संकेत थे कि बातचीत दबाव की रणनीति के तहत हो रही है। **लेबनान पर हमलों ने बिगाड़ा समीकरण**-ईरान की स्पष्ट मांग थी कि किसी भी शांति वार्ता से पहले लेबनान में हमले रोके जाएं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इस कड़े रुख ने वार्ता के माहौल को जटिल बना दिया।

अलविदा आशा...

शिक्षा दी थी। संगीत मानो उनकी नियति में ही था। चार बहनों में लता, ऊषा और आशा पार्श्व गायिका बनीं जबकि मीना संगीतकार हैं। उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर भी संगीतकार हैं। कई पुरस्कारों से सम्मानित आशा भोसले एक सफल उद्यमी भी थीं। उन्होंने दुबई और ब्रिटेन में 'आशा' नाम से लोकप्रिय रेस्तरां संचालित किया। उन्हें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण, राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई अन्य संगीत सम्मानों से नवाजा गया।

आठ दशकों का लंबा सफर-आठ दशकों से अधिक लंबे करियर में आशा ने अविश्वसनीय रूप से 12,000 गाने रिकॉर्ड किए। उनका पहला गाना 1943 में 10 वर्ष की आयु में मराठी फिल्म 'माझा बल' के लिए था। उन्होंने 2010 के दशक के अंत तक और उसके बाद भी गायन जारी रखा, जिससे वह वैश्विक संगीत इतिहास में सबसे लंबे समय तक गायन करने वाली गायिका बन गईं। आशा भोसले की आवाज 80 वर्ष की उम्र में भी स्थिर और ताज़गी भरी बनी रही। लोकप्रिय गीत-आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों में 'अभी न जाओ छोड़ कर', 'इन आंखों की मस्ती', 'दिल चीज क्या है', 'पिया तू अब तो आजा', 'दुनिया में लोगों को' और 'जरा सा झूम लूं मैं' जैसे गाने शामिल हैं। उन्होंने पद्मिनी एवं वैजयंतीमाला जैसी दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों से लेकर मीना कुमारी, मधुबाला, जीनत अमान, काजोल और उर्मिला मातोंडकर सहित कई प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी।

एक लाख की...

एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एसीबी ने आरोपी के खिलाफ धारा 7,12 पीसी एक्ट 1988 यथासंशोधित अधिनियम 2018 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की है।

अलग-अलग सड़क...

मौत हो गई जबकि कमलेश व एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर घटना की जानकारी लगने पर गांधीनगर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया वहीं मृत युवक के शव को मरच्यूरी में रखवा दिया है। गांधीनगर पुलिस ने घटना कारित स्कॉर्पियो को जब्त किया है वहीं मृतक के परिजन के आने पर मामले में अपराध दर्ज किया जा रहा है। वहीं एक अन्य घटना में लखनपुर थाना अंतर्गत ग्राम कोसंगा निवासी प्रमोद कुमार आ. धनीराम (20 वर्ष) शुक्रवार को रिश्तेदार के शादी के बाद होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने उदयपुर के पंडरी डांड़ गया था। रात में परिचित अमगसी निवासी दिनेश को छोड़ने जा रहा था। जैसे ही बाइक सवार एनएच 130 उदयपुर पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे तभी मुख्य मार्ग पर मवेशी से टकरा गए जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उदयपुर अस्पताल में दाखिल कराया गया। चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान प्रमोद कुमार की मौत हो गई वहीं घायल का उपचार जारी है।

लौटा रहे केवल...

से मिल जाती है। जिले के कई अंग्रेजी माध्यम स्कूलों ने कॉपी किताब की लिस्ट पालकों को सौंपने के बजाए पुस्तक विक्रेता की दुकान का पता बता दिया है। स्कूल का नाम और कक्षा बताने पर पहले से तैयार सेट अभिभावकों के हाथ में पकड़ा दिया जाता है। अभिभावक अगर सिर्फ किताब की मांग करें तो भी उन्हें बाद में आना कहकर लौटा दिया जाता है। मजबूरी में अभिभावक पूरी कीमत चुकाकर सेट खरीद रहे हैं।

मात्र 9वीं कक्षा...

पुरानी किताबें लेकर आ रहे हैं तो उन्हें यह कहकर नई किताबें लाने के लिए कहा जा रहा है कि पाठ्यक्रम में बदलाव हो गया है। किताब के किसी चैप्टर में 1-2 छोटे बदलाव के आधार पर भी यह फरमान सुनाया जा रहा है। सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण संबंधित बोर्ड करता है। इसके आधार पर एनसीईआरटी किताबें प्रकाशित करता है। 17 मार्च को एनसीईआरटी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सिर्फ कक्षा 9 की किताबों पर काम चल रहा है। इसके अतिरिक्त किसी भी बोर्ड की ओर से किसी भी विक्रेता को अधिकृत नहीं किया जाता है।

दिल्ली का सिंगर...

रितिक शनिवार को कटोरा तालाब इलाके में समुद्री गांजा की सप्लाई करने पहुंचा था। इसकी जानकारी पुलिस को मिली। इसके बाद पुलिस ने रितिक की घेराबंदी कर पकड़ा और उसके बैग की तलाशी ली तो बैग में समुद्री गांजा मिला। समुद्री गांजा एक तरह का समुद्री शैवाल है। समुद्री गांजा की 80 प्रतिशत खेती तामिलनाडु में होती है। साथ ही गुजरात तथा महाराष्ट्र के समुद्री तट पर समुद्री गांजा की खेती की जाती है।

गरियाबंद और उदंती-...

आगजनी के चलते जंगल के चारों तरफ दूर -दूर तक हरियाली खत्म हो गई है। जंगल में आग लगाने वाले के हौसले इतना बुलंद हैं कि जंगल की सुरक्षा में तैनात अग्नि रक्षक के घर भी फूंक चुके हैं। उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के साथ गरियाबंद वन मंडल के जंगल को आग से बचाने के लिए वन विभाग द्वारा हर वर्ष गर्मी से पहले ही गांव गांव बैठक कर और अनेक कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जाता है। आगजनी से जंगल के नुकसान के बारे में भी बताया जाता है। जंगल की सेटेलाइट व विभिन्न माध्यमों से निगरानी भी की जाती है। इसके बावजूद इस बार 1100 स्थानों पर जंगल में आगजनी के मामले सामने आ चुके हैं। इसका मुख्य कारण महुआ फूल एकत्र करने के लिए जंगल में आग लगाना है। वहीं कई स्थानों पर तेदुपत्ता ठेकेदारों के गुर्गों ने रही-सही कसर पूरी कर दी है। गरियाबंद से लेकर नवागढ़, धवलपुर, मैनपुर, झरियाबाहरा, कोदोमाली, तौरेंगा, इंदागांव, बुड़गेलटप्पा धुर्वागुड़ी नेशनल हाईवे 130 सी के किनारे जंगल के दोनो तरफ भारी आगजनी के बाद जंगल की बदहाल स्थिति को आसानी से देखा जा सकता है। **0 जंगल के भीतर अभी भी नहीं थम रही आगजनी की घटना**-दरअसल कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा भी जंगल को आग के हवाले किया जा रहा है। अभी भी जंगल के भीतर आगजनी की घटना जारी है, जिसके कारण वन्यप्राणी इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। वहीं गांव के नजदीक वन्य प्राणियों को आसानी से देखा जा सकता है। आगजनी से जंगल में निकल रहे तेंदुपत्ता को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। **जंगल में आगजनी करने वाले 23 आरोपियों को भेजा जा चुका है जेल** -जंगल के भीतर आगजनी की घटना को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा जहां एक ओर फायर वाचर तैनात किए गए हैं। वहीं बड़ी संख्या में वन विभाग के कर्मचारी भी लगातार गश्त कर रहे हैं। ड्रोन कैमरे व सेटेलाइट के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। जंगल में आग लगाने वाले 23 लोगों के पर कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भी भेजा जा चुका है। **0 अग्नि रक्षक के घर को ही आग लगा दिया** -उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के कुल्हाड़ीघाट वनपरिक्षेत्र हथौड़ाडीह में जंगल को आग से बचाने वाले अग्नि रक्षक चंदन सिंह यादव के घर को ही आग के हवाले कर दिया गया था। आरोपी टीकम कमार द्वारा जंगल में कई जगह आगनी की गई थी। इसकी शिकायत करने पर आरोपी टीकम सिंह ने 11 अप्रेल को अग्नि रक्षक के घर पहुंचकर पहले तो तीर धनुष से हमला किया जिससे उसकी बेटी बाल बाल बची और घर के दरवाजे बंद कर दिया तो गुस्से में आरोपी टीकम ने अग्नि रक्षक चंदन सिंह यादव के घर को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान चंदन सिंह यादव शादी में शामिल होने दूसरे गांव गया था। आग लगाने से अग्नि रक्षक के घर व कपड़ा, चावल, दाल जलकर राख हो गया। हालांकि मैनपुर पुलिस ने आरोपी टीकम कमार को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट ने जेल भेज दिया है। **वन विभाग जंगल के सुरक्षा के लिए तत्पर : वरूण जैन**- उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना इस वर्ष जंगल में आग लगने की घटना ज्यादा हुई है। एक जानकारी के अनुसार उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व में 700 स्थानों पर आग लगने की घटना हुई है। उन्होंने दावा किया कि वन विभाग का अमला जंगल में लगी आग पर काबू पाने लगातार प्रयासरत है। आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए ब्लोवर विभाग के पास उपलब्ध है। आगजनी की जानकारी मिलने पर स्थानीय अमले को संसाधनों के साथ भेजा जाता है। वहां जरूरत के अनुसार फायर सिस्टम, धूल और आगजनी वाले स्थान पर पानी का छिड़काव कर उसे आगे बढने से रोकने के लिए इलाकों को काट दिया जाता है। उन्होंने जंगल को आग से बचाने के लिए लगों से सहयोग की अपील की है। **आग पर काबू पाया जा चूका है**-गरियाबंद वनमंडल के एसडीओ मनोज चन्द्राकर ने बताया कि अब आग पर पूरी तरह काबू पाया जा चुका है। आज की स्थिति में गरियाबंद वनमंडल में कहीं अगजनी की घटना नहीं है। इस वर्ष 195 स्थानों पर आगजनी हुई है।

कार की टक्कर...

बालेंगा जा रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को ग्राम आसना के करीब टक्कर मार दी। टक्कर से कार सड़क के किनारे जाकर पलट गई। बाइक चला रहे जामगुड़ा लामनी निवासी सुखलाल कश्यप 35 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल पत्नी फूलमती कश्यप 32 वर्ष को आसपास से गुजर रहे लोगों की मदद से महारानी अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान कुछ ही देर बाद उनकी भी मौत हो गई। **पुलिस कर रही विवेचना, आज होगा पीएम**- कोतवाली पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही है। मामले की जांच कर रहे एसआई अरूण मरकाम ने बताया कि मृतकों के शवों को पीएम के लिए डिमरपाल मरच्यूरी में रखवाया गया है। सोमवार को पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

दस बरस पहले...

यह एक ऐसा आघात था, जो उन्हें आज भी सालता रहता है, लेकिन नक्सलवाद से मुक्ति और इलाके में आई शांति से वे काफी खुश हैं। उन्हें इस दिन का एक दशक से इंतजार था। वे पुलिस की सेवा में रहते हुए नक्सलवाद के खिलाफ अलख जगा रहे थे, आज उन्हें लगता है कि उनका काम और बलिदान सार्थक हो गया। सोमवार 4 अप्रैल 2016 को थाना रावघाट क्षेत्र में माओवादी संगठन किसकोड़ो एरिया कमेटी के नक्सलियों द्वारा अंतागढ़ नारायणपुर मुख्य मार्ग पर मावली मोड़ के पास दो पेड़ काटकर मार्ग अवरूद्ध कर दिया गया था। इस सूचना पर थाना रावघाट से पुलिस पार्टी रोड ओपनिंग के लिए टेमरूगांव की ओर रवाना हुई थी। जहां नक्सलियों द्वारा 2 पेड़ काटकर मार्ग को अवरूद्ध किया गया था एवं पुलिस बल को क्षति पहुचाने की नीयत से बैनर पोस्टर में प्रेशर आईईडी लगा रखा था। इसे हटाने के दौरान प्रेशर आईईडी ब्लास्ट होने से प्रीतम सिंह पोयाम की दोनो आंखें क्षतिग्रस्त हो गईं और दोनों आंखों की रोशनी चली गई। वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह घटना उनके जीवन में एक बड़ा आघात थी, परन्तु उनके मनोबल और कर्तव्य के प्रति समर्पण को डिगा नहीं सकी। घायल होने के बाद उनका उपचार रायपुर और चेन्नई में महीने भर तक चला लेकिन रोशनी वापस नहीं आ सकी।

नहीं मानी हार,...

अपनी दृष्टि खो देने के बाद भी उन्होंनें कभी हार नहीं मानी। उन्होंने धैर्य और साहस के साथ जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्तव्य एवं संगठन के प्रति निष्ठा बनाए रखी। लगभग एक दशक तक उन्होंने इस आशा के साथ प्रतीक्षा की कि एक दिन बस्तर की धरती पर शांति स्थापित होगी और वामपंथी उग्रवाद का अंत होगा।आज बस्तर के नक्सलमुक्त होने पर उन्होंने कहा कि आखें खोने का गम है लेकिन इलाके में आई शांति और नक्सलवाद से मिली मुक्ति से वे काफी खुश हैं।

अब भी युवाओं...

महत्व के प्रति उन्हें जागरूक करते हुए एक प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य कर रहे हैं। अपने अनुभव, साहस और संघर्ष की कहानी के माध्यम से वे नई पीढ़ी के जवानों को प्रेरित कर रहे हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि सच्ची वीरता केवल रणभूमि में ही नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य और संकल्प को बनाए रखने में निहित होती है। जब भी वे ड्यूटी में हल्बा चौकी में आते हैं तो क्षेत्र के युवाओं व स्कूली बच्चों के साथ ही साथी जवानों को भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने प्रेरित करते है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)
लिवर व किडनी रोग
थाइरॉयड सर्जरी
ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

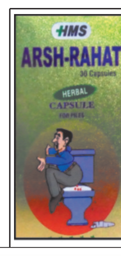

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहांसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में पेमेन्ट कलेक्शन, कार्टून पैकिंग, माल डिलीवरी, साफ सफाई एवं अन्य कार्यों हेतु मेहनती, इच्छुक लड़कों की आवश्यकता है। वेतन अनुभव अनुसार पता- सिटी केमिस्ट, मेडिकल काम्प्लेक्स, बिलासपुर (40542)

आवश्यकता है- भोजनालय में कार्य करने के लिए कुक, वेटर, हेल्फर लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सांई भोजनालय मंगला चौक बिलासपुर 9755592108, 9589480555 (40541)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (40526)

आवश्यकता है- सीबीएसई स्कूल में PGT, TGT, PRT, Pre Primary (बीएड अनिवार्य) टीचर्स एवं आया दीदी, सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है। सम्पर्क- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 91091 39971, 9301275222 (40510)

आवश्यकता है- एलआईसी एजेन्ट बनिये, शुरु करिए स्वतंत्र कैरियर महिला पुरुष उम्मीदवार हेतु असीमित शानदार आय, रायल्टी इनकम गृह ऋण विदेश यात्रा ग्रेच्युटी फुल/ पार्ट टाइम, (10वीं) सम्पर्क- अजय कुमार सिंह 9893311075 (40517)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कम्पनी में नहर कार्य हेतु कटघोरा में सिविल इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर एवं जेसीबी ऑपरेटर, एजाक्स ऑपरेटर की तत्काल आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9926900549 (40528)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940 (40529)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियां चाहिए। आधार कार्ड, रिज्यूमे सहित सम्पर्क करें- एकता मेडिकल एजेन्सी, गंगा नगर फेस-॥, शिव मन्दिर के पास, मंगला चौक, बिलासपुर 83196 75178, 9407600099 (40521)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000/- सम्पर्क करें- (12बजे के बाद) बूबेरी कैफे, एम्बियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, 7987926453, 913125 6249 (40531)

आवश्यकता है- ट्रीटोन होटल रायपुर, रावतपुरा यूनिवर्सिटी रायपुर में सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड चाहिए ऊंचाई पुरुष 5'-6" लड़कियां 5'-5" वेतन सुपरवाइजर 18000, सुरक्षागार्ड 15000 अनुभवी को प्राथमिकता पता- एक्समैन सिक्युरिटी सर्विस वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 9754713125, 8349974442 (40514)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 10000 सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार रघु विहार, संजोग वाटिका के पास अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर (40539)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40530)

आवश्यकता है- चिल्हर दवाई दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- विनीता मेडिकल स्टोर्स सीपत चौक सरकंडा बिलासपुर 9827974278 (40536)

आवश्यकता है- रायपुर, बिलासपुर, सिमगा, तिल्दा, भाटापारा एवं अन्य संस्थानों हेतु लम्बे तगड़े सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है वेतन 15000 Pf+ ESIC, सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर 99812 10369 (40534)

आवश्यकता है- रेलवे ऑफिस की गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति ती ही सम्पर्क करें- S.K. Tour & Travels रामकृष्ण नगर मोपका बिलासपुर 78790 06223, 7000103649 (40508)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9981970853 (40496)

वश्यकता है- एक अनुभवी और भरोसेमंद महिला कुक (रसोइया) की आवश्यकता है। काम का समय- सुबह 8:30 से 10:30 बजे, शाम 5:30 से 8:30 बजे, काम- रोजाना घर का खाना बनाना किचन का बेसिक काम संभालना स्थान- नर्मदा नगर, मंगला चौक के पास, बिलासपुर सम्पर्क करें- 98271 66239 (40520)

आवश्यकता है-साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा जींस वियर रेडीमेड क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (40480)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक (हमाल) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर (40503)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में कार्य हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है। संपर्क , गोयल मेडिकल स्टोर,CIMS गेट के सामने, बिलासपुर 9303112340, 9300674797 (दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक काल करें) (40515)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में Marg साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर (लड़की) एवं साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन लड़के चाहिए सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (40516)

आवश्यकता है- माल लोडिंग एवं अनलोडिंग कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों की आवश्यकता है वेतन 9000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- बिलासपुर 6267854588 (40524)

आवश्यकता है- टू व्हीलर शोरूम के लिए सेल्स कर्मचारी (फील्ड वर्क) और बैक ऑफिस के लिए जेंट्स स्टाफ की आवश्यकता है दो साल का अनुभव अनिवार्य है सम्पर्क 8458912345 (40511)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले कि आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 (40497)

आवश्यकता है- टिफिन वितरण हेतु फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। वाहन हम देंगे। इच्छुक उम्मीदवार तुरन्त सम्पर्क करें- 9827980340 (मेहनती, जिम्मेदार युवाओं का स्वागत है) (40518)

आवश्यकता है- बिलासपुर लॉज में काम हेतु वेटर, झाड़ू पोछा, साफ सफाई कार्य 18वर्ष से ऊपर का पुरुष कर्मचारी चाहिए वेतन 10000 से 12000, ग्रामीणों को रहना खाना निशुल्क सम्पर्क करें- 9406390898 (40522)

आवश्यकता है- प्लास्टिक पाइप एवं प्लास्टिक सामान पेकींग कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले लड़को की आवश्यकता हैं। रूम/बिजली सुविधा फ्री, पता- बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, मो. 8011346678 (072)

आवश्यकता है-दुकान में डिलीवरी एवं अन्य कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सरकंडा निवासी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- दोपहर 12बजे से शाम 5बजे, सुधा सेल्स नूतन चौक बिलासपुर 9827497999 (40476)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 93011 86703, 8253010291, 8085233213, 72230 26026 (40406)

बेचना है

बेचना है- प्रीकास्ट रेडिमेड कांक्रीट बांउड्रीवॉल का प्लांट चालू हालत में शीघ्र बेचना है। इच्छुक सम्पर्क करें- 88786 01222, 7000241515 (40523)

बेचना है- सीपत रोड से आधा किलोमीटर अन्दर मोपका में (कृषि भूमि) 21 डिसमिल जमीन 54 लाख में अतिशीघ्र बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 9303548077 (40540)

बेचना है-सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 (40424)

बेचना है-जांजगीर पुटपुरा चौक नेशनल हाईवे मार्ग में चन्देल पेट्रोल पम्प से आगे 50 फुट चौड़ा, 13 डिसमिल जमीन शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9009459938, 97540 94457 (40474)

बेचना है- 22×136 कॉर्नर प्रॉपर्टी 120 फीट मेन रोड में नीचे दुकान ऊपर मकान, डबल स्टोरी आरके पेट्रोल पम्प से 50 मीटर चाटीडीह वाली रोड में बेचना है सम्पर्क करें- 7987500965, 83498 09274 (40512)

बेचना है- (1) सकरी मेन रोड पूर्ण विकसित कॉलोनी सागर होम्स में 33×55= 1855 वर्गफीट डबल रोड प्लॉट (2) गीतांजली सिटी फेज-॥ में 30×50= 1500 वर्गफीट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9827164787 (40513)

किराया

किराया- सकरी मेन रोड पर आत्मानन्द स्कूल के सामने नवनिर्मित प्रथम तल पर दो दुकान 13×26 कोचिंग, क्लीनिक, ऑफिस इत्यादि हेतु किराये से देना है। पर्याप्त पार्किंग सुविधा सम्पर्क करें- 9713666001 (40537)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

मैच प्रीव्यू...

विजय रथ पर सवार रॉयल्स, सनराइजर्स के सामने बड़ी चुनौती!

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

बेहतरीन फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी तो उसकी नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर टिकी होंगी।

रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है। चार मैच में चार जीत टीम के दबदबे को दिखाती है। टीम के पास खतरनाक शीर्षक्रम और बेहद संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है। टीम की सफलता में यशस्वी जायसवाल और किशोर स्टार वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही है, जिन्होंने पावरप्ले में लगातार विरोधी टीम के आक्रमण को ध्वस्त किया है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है। तीसरे नंबर पर ध्रुव जुरेल ने स्थिरता दी है और यह सुनिश्चित किया है कि टीम लय नहीं खोए।

रॉयल्स की गेंदबाजी में सुधार

रॉयल्स की गेंदबाजी में हालांकि मौजूदा सत्र में काफी सुधार दिख रहा है। पिछले सत्र में गेंदबाजों की नाकामी के कारण नौवें स्थान पर रहने के बाद वे कहीं अधिक अनुशासित और खतरनाक आक्रमण के रूप में लौटे हैं। जोफ्रा आर्चर ने तेजी और सटीकता के साथ गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर ने कोण और उछाल का इस्तेमाल करके विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। वह नौ विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों की सूची में सबसे ऊपर हैं जबकि रविंद्र जडेजा के टीम से जुड़ने से स्पिन विभाग को और मजबूती मिली है।

आज शाम 7.30 बजे से हैदराबाद में वैभव और ईशान की टीम के बीच रोमांचक मैच

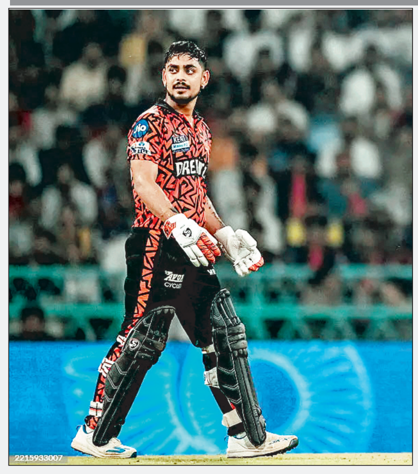

हैदराबाद टीम का कमजोर पक्ष गेंदबाजी

गेंदबाजी हालांकि टीम का कमजोर पक्ष है और नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी ने टीम की परेशानियों को बढ़ा दिया है। गेंदबाजी आक्रमण विरोधी बल्लेबाजों को रोकने में जूझ रहा है विशेषकर बल्लेबाजी के अनुकूल हालात में जिससे बल्लेबाजों पर और दबाव पड़ रहा है। सनराइजर्स को अगर रॉयल्स की लय बिगाड़नी है तो शुरुआती विकेट और चटकाने होंगे तथा गेंदबाजी में एकजुट प्रदर्शन करना होगा।

हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला

इसके उलट सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है। टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही है। अपने चार में से तीन मैच हारने के बाद पूर्व चैंपियन टीम छठे स्थान पर हैं। टीम अपनी पुरानी रणनीति पर चल रही है। वे तेज शुरुआत के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की तूफानी जोड़ी पर निर्भर हैं लेकिन दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कार्यवाहक कप्तान इशान किशन भी अपनी शुरुआती पारी के बाद खराब फॉर्म में हैं। रन बनाने की जिम्मेदारी अधिकतर समय हेनरिक क्लासेन ने निभाई है, जिन्होंने चार पारियों में 184 रन बनाए हैं और सनराइजर्स को कछ मौकों पर वापसी दिलाने में सफल रहे हैं।

मैच का समय : 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू

खबर संक्षेप

बरवाल ने मैराथन में तोड़ा 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

रोटरडैम। सावन बरवाल ने रोटरडैम एनएन मैराथन में भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया। हिमाचल प्रदेश के इस लंबी दूरी के धावक ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर इस शीर्ष स्तर की मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया और शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

केकेआर के लिए राहत, 18 करोड़ के खिलाड़ी को मिली एनओसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच से पहले कोलकाता

नाइट राइडर्स के लिए अच्छी खबर है। तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से आईपीएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गई है। पथिराना को नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 18 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। रिपोर्ट के अनुसार पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में उपलब्ध रहेंगे।

राष्ट्रीय सर्फिंग के चैंपियन बने शिवराज और कमाली

नई दिल्ली। शिवराज बाबू और कमाली मूर्ति ने लिटिल अंडमान प्रो 2026 टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुषों और

महिलाओं का ओपन सर्फिंग खिताब जीत लिया। शिवराज 13.63 के स्कोर के साथ राष्ट्रीय चैंपियन बने। उन्होंने श्रीकांत डी को सिर्फ 0.30 अंक के अंतर से हराया, जिनका स्कोर 13.33 रहा। किशोर कुमार 12.87 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे रहे जबकि संजय सेल्वमणि ने एक कड़े मुकाबले में 9.30 अंक बनाए। महिलाओं के ओपन सर्फिंग फाइनल में कमाली का दबदबा देखने को मिला।

टाइटंस ने सुपर जायंट्स को 7 विकेट से दी शिकस्त

गुजरात की दूसरी जीत, लखनऊ ढेर बटलर-गिल की फिफ्टी, कृष्णा का कहर

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

कृष्णा ने फेंका सबसे बेहतरीन स्पेल

प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने आईपीएल करियर का सबसे बेहतरीन स्पेल फेंका। प्रसिद्ध ने एडेन मार्करम, आयुष बदोनी, निकोलस पूरन और मुकुल चौधरी का विकेट चटकाया और एलएसजी को 164 रनों के स्कोर पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए कृष्णा ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट निकाले थे, जो इस मुकाबले से पहले उनका बेस्ट बॉलिंग स्पेल था।

कोहली से आगे निकले गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल के 19वें मैच में कप्तानी पारी खेली और अर्धशतक लगाया। गिल ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। गिल अब आईपीएल में सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। गिल ने इस मैच में अपना अर्धशतक 34 गेंदों पर पूरा किया और 56 रन की पारी खेली। इस पारी के दम पर उन्होंने आईपीएल में अपने 4000 रन भी पूरे कर लिए। गिल ने ये कमाल 118 पारियों में किया और इस लीग में सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए और विराट कोहली को तीसरे नंबर पर धकेल दिया।

जोस बटलर की खास उपलब्धि

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में खास उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए हैं। बटलर टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले महज पांचवें बल्लेबाज हैं। बटलर से पहले यह मुकाम सिर्फ क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड, एलेक्स हेल्स और डेविड वॉर्नर ही हासिल कर सके हैं। टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड गेल के नाम है, जिन्होंने 463 मुकाबलों में 144 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14,562 रन बनाए हैं। वहीं, पोलार्ड ने 735 मुकाबलों में 150 के स्ट्राइक रेट से 14,482 रन बनाए हैं। हेल्स के नाम 14,449 दर्ज हैं तो वॉर्नर ने 14,121 रन बनाए हैं। बटलर टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के महज दूसरे बल्लेबाज हैं।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का सुंदर बो कृष्णा	30	21	5	1
मार्श का गिल बो रबाडा	11	4	1	1
पंत का तेवतिया बो सिराज	18	11	2	1
बडोनी का फिलिप्स बो कृष्णा	9	11	1	0
निकोलस पूरन का गिल बो कृष्णा	19	21	0	2
समद का फिलिप्स बो अशोक	18	22	2	0
मुकुल चौधरी का बटलर, बो प्रसिद्ध	18	4	1	1
लिंडे का स्थानापन्न बो अशोक	16	10	3	0
मोहम्मद शमी नाबाद	12	5	1	1
आवेश खान नाबाद	4	1	1	0

अतिरिक्त: 9 कुल योग: (20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन)
गेंदबाजी: सिराज 4-0-19-1, रबाडा 4-0-54-1, अशोक 4-0-32-2, प्रसिद्ध 4-0-28-4, राशिद 4-0-25-0.

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का आवेश बो राठी	15	14	3	0
गिल का पंत बो प्रिंस	56	40	6	1
बटलर का मारक्रम बो शमी	60	37	11	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	21	13	2	1
राहुल तेवतिया नाबाद	10	8	1	0

अतिरिक्त 03 कुल योग: (18.4 ओवर में तीन विकेट पर) 165 रन
गेंदबाजी: शमी 4-0-36-1, प्रिंस4-0-31-1, राठी 4-0-31-1, लिंडे3-0-28-0, आवेश2-0-24-0, मारक्रम 1.4-0-15-0.

मुंबई लगातार तीसरा आईपीएल मैच हारी:बेंगलुरु ने 18 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस इस सीजन में लगातार तीसरा मैच हार गई है। उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार के दूसरे मैच में 18 रन से हराया। अपने होम ग्राउंड वानखेड़े में 240 रन का टारगेट चेज कर रही मुंबई 20 ओवर में 222 तक ही पहुंच सकी। सुयश शर्मा ने एक ओवर में दो विकेट झटके।

मुंबई की ओर से रदरफोर्ड की फिफ्टी

रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन की जोड़ी ने 241 रन का टारगेट चेज कर रही मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 32 बॉल पर नाबाद 57 रन की ओपनिंग साझेदारी की। लेकिन, रोहित शर्मा के रिटायर हर्ट होने के बाद सूर्यकुमार यादव 33, तिलक वर्मा 1 और हार्दिक पंड्या ने 40 रन बनाए। आखिरी में शेरफन रदरफोर्ड ने 31 बॉल पर 9 छक्कों के सहारे नाबाद 71 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

बेंगलुरु के टॉप-3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी बेंगलुरु के टॉप-3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई। फिल सॉल्ट ने 78, विराट कोहली ने 50 और रजत पाटीदार ने 53 रन बनाए। इन तीनों के बाद टिम डेविड ने 16 बॉल पर 34 रन बनाकर टीम स्कोर 240 रन तक पहुंचाया।

शेट्टी को सिल्वर मेडल से करना पड़ा संतोष

निंगबो। भारत के आयुष शेट्टी को रविवार को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मंगलुरु के 20 साल आयुष को लय हासिल करने में परेशानी हुई और वह चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन से 8-21, 10-21 से हार गए, जिससे इस प्रतियोगिता में भारत का पुरुष एकल स्वर्ण पदक का 61 साल का इंतजार जारी रहा। हार के बावजूद आयुष का अभियान शानदार रहा। वह दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने।

आरित ने किया आईएम नॉर्म हासिल बने सबसे कम उम्र के भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के 10 वर्षीय आरित कपिल स्पेन के मेनोरका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम दौर में ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल असाका के साथ ड्रॉ खेलकर अंतरराष्ट्रीय मास्टर (आईएम) नॉर्म हासिल करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महज 10 वर्ष सात महीने की उम्र में इस उपलब्धि को हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया। आरित ने प्रतियोगिता की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए दूसरे दौर में कजाखस्तान के पूर्व विश्व अंडर-20 चैंपियन और ग्रैंडमास्टर नोगरबेक काजीबेक को हराया।

2015 में जन्मे खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर

दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए पिछले साल अंडर-11 राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतना उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। वह वर्तमान में 2015 में जन्मे खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। इस प्रतियोगिता में आरित का सबसे यादगार प्रदर्शन अर्जेंटीना के 12 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर ओरो फॉस्टिनो के खिलाफ रहा, जिन्हें 'शतरंज की दुनिया का मेसी' कहा जाता है।

महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनीं शिविका

बुडापेस्ट। भारत की शिविका रोहिल्ला यहां संपन्न पहले सैटरडे शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में क्रोएशिया के अंतरराष्ट्रीय मास्टर रुडोल्फ सेर्टिक के खिलाफ ड्रॉ खेलकर महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गईं। वर्ष 2023 में अपना पहला नॉर्म हासिल करने वाली शिविका पिछले 10 टूर्नामेंट में अंतिम नॉर्म हासिल करने में करीब पहुंचीं थी लेकिन उन्होंने मौके गंवा दिए। इस बार टूर्नामेंट की शुरुआत में बड़ी जीत की बदौलत उन्होंने आत्मविश्वास हासिल किया और अंतिम चरण में लड़खड़ाने के बावजूद दिल्ली की यह खिलाड़ी अंतिम नॉर्म हासिल करने में सफल रहीं। शिविका ने नौ बाजियों में 4.5 अंक जुटाए, जिससे उन्हें रेटिंग में भी फायदा हुआ। उन्होंने महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स के लिए जरूरी रेटिंग अंक 2025 में पोलैंड में टूर्नामेंट में बाद हासिल कर लिए थे। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी की नजरें अब महिला ग्रैंडमास्टर बनने पर टिकी हैं।

अंपायर से भिड़ने की राणा को मिली बड़ी सजा, गायकवाड़ को लगा तगड़ा झटका

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना 19वें ओवर में घटी जब अंपायर ने ट्रिस्टन स्टब्स के गीले दस्ताने बदलने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद राणा और अंपायर में तीखी बहस हुई। स्टब्स ने उमस भरे वातावरण में अत्यधिक पसीने के कारण अपने दस्ताने बदलने का अनुरोध किया था। राणा ने आउट होने के बाद चौथे अंपायर से भी बहस की, जिसके लिए उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया।

राणा को दिया गया एक डिमेरिट पॉइंट

आईपीएल ने कहा, ' दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें आईपीएल के खिलाड़ियों के आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।' बयान में कहा गया है, 'राणा को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो 'मैच के दौरान अभद्र भाषा का उपयोग' करने से संबंधित है।'

गायकवाड़ पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर इस मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। सीएसके ने शनिवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर 23 रन की जीत के साथ इस आईपीएल में अपना खाता खोला। आईपीएल ने कहा, ' यह न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध है, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'

बायर्न ने तोड़ा अपना 54 साल पुराना रिकॉर्ड

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का अपना ही 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लियोन गोरेत्ज़का का गोल बायर्न का लीग में इस सत्र का का 102वां गोल था, जिससे उसने नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉड (101 गोल) भी बायर्न के नाम पर ही दर्ज था, जो उसने 1971-72 में बनाया था। बायर्न ने इस मैच में सेंट पाउली को उसके घरेलू मैदान पर 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से बायर्न ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता सबूत भी पेश किया और बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 12 अंकों की बढ़त बनाकर बुंडेसलिगा में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। प्रतियोगिता में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

मेहमेती के साथ मेसी की मास्टरक्लास

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने 8 अप्रैल 2009 को जब बार्सिलोना के लिए चैंपियंस लीग मैच में दो गोल किए थे, उसके दो दिन पहले एड्री मेहमेती का जन्म हुआ था। इसके 17 साल बाद मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में जब यह दोनों आमने-सामने थे तो गजब का नजारा देखने को मिला। इन दोनों ने अपनी टीमों की तरफ से मैच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेस्सी ने दूसरे हाफ में जर्मन बर्तेरामे के गोल में मदद की, जिससे इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में पहली बार बढ़त हासिल की। मेहमेती ने 77वें मिनट में एमएलएस में अपना पहला गोल किया, जिससे न्यूयॉर्क रेड बुल्स ने मौजूदा एमएलएस कप चैंपियन इंटर मियामी को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इंटर मियामी के लिए माटेओ सिल्वेटी ने भी गोल किया, जबकि रेड बुल्स की तरफ से पहला गोल जॉर्ज रुवाल्काबा ने किया था।

बार्सिलोना ने खिताब की ओर बढ़ाया कदम

बार्सिलोना। लामिन यामल ने एक गोल किया और फेरान टोरेस के दो गोल में मदद की, जिससे बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब बरकरार रखने की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया।

यामल ने फेरान को 10वें और 25वें मिनट में गोल करने में मदद की। इसके बाद इस युवा खिलाड़ी ने 87वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित कर दी। बार्सिलोना की तरफ से चौथा गोल 89वें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने किया। बार्सिलोना ने इस जीत से अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त नौ अंक कर दी है। रियाल मैड्रिड ने शुक्रवार को गिरोना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था।

मैरी ने रचा इतिहास, बनीं पुरुष टीम की कोच

बर्लिन। मैरी लुईस एटा ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा के क्लब यूनियन बर्लिन की पुरुष टीम का मुख्य कोच बनकर इतिहास रच दिया है। वह पहली महिला कोच हैं, जिन्हें बुंडेसलिगा में किसी सीनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

एटा अभी 34 वर्ष की हैं और उन्होंने स्टेफेन बॉमगार्ट की जगह ली है। एटा इससे पहले अंडर-19 पुरुष टीम को कोचिंग दे रही थीं। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में अगले सत्र में यूनियन की महिला टीम के कोच का पद संभालने के लिए सहमति जताई थी।

यूनियन बर्लिन को अभी बुंडेसलीगा में पांच मैच खेलने हैं। उन्होंने 2023 में बुंडेसलिगा और यूरोप की शीर्ष पांच फुटबॉल लीग में पहली महिला सहायक कोच बनकर इतिहास रचा था।

दावा

वैज्ञानिकों के नए खुलासे से मचा हड़कंप

झूठ था अब तक का सबसे बड़ा राज? हमारी गैलेक्सी के बीच में ब्लैक होल है ही नहीं!

दशकों से वैज्ञानिक मानते रहे हैं कि हमारी आकाशगंगा के केंद्र में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल मौजूद है। लेकिन नई थ्योरी के अनुसार, यह ब्लैक होल नहीं, बल्कि डार्क मैटर का एक सघन पिंड या गोला हो सकता है। आपने विज्ञान की किताबों में पढ़ा होगा कि हमारी आकाशगंगा के केंद्र में एक बहुत बड़ा ब्लैक होल है, जिसे हम सैगिटेरियस कहते हैं।

वॉशिंगटन। साल 2022 में इसकी धुंधली तस्वीर ने इस बात पर मुहर भी लगा दी थी। इसके लिए वैज्ञानिकों को नोबेल प्राइज भी मिल चुका है। लेकिन, अब वैज्ञानिकों के एक समूह ने दावा किया है कि हम जिसे ब्लैक होल समझ रहे हैं, वह असल में 'डार्क मैटर' का एक घना गोला हो सकता है।

कहां से शुरू हुआ शक

अब तक वैज्ञानिकों का मानना था कि हमारी गैलेक्सी के केंद्र में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल है, जो अपने आसपास के तारों को अपनी ओर खींचता है। वहां मौजूद तारों की रफ्तार और उनकी चाल देखकर यही निष्कर्ष निकाला गया था।लेकिन हाल की स्टडी में कुछ वैज्ञानिकों ने इन आंकड़ों को नए नजरिए से देखा. उन्हें लगा कि जो चीज ब्लैक होल समझी जा रही है, वह शायद कुछ और भी हो सकती है।

डार्क मैटर की एंट्री

इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिलैटिविस्टिक एस्ट्रोफिजिक्स के रिसर्चर्स की नई थ्योरी के मुताबिक, गैलेक्सी के बीच में ब्लैक होल नहीं, बल्कि डार्क मैटर का एक बेहद घना गुच्छा हो सकता है। अब आपका सवाल होगा कि डार्क मैटर क्या है? तो आपको बता दें कि यह आज भी एक बड़ा रहस्य है। यह दिखता नहीं है, लेकिन इसका असर हर जगह महसूस होता है। यह गुरुत्वाकर्षण पैदा करता है और चीजों को अपनी तरफ खींच सकता है।

ब्लैक होल की तस्वीर पर भी सवाल

कुछ साल पहले वैज्ञानिकों ने गैलेक्सी के केंद्र की एक तस्वीर जारी की थी, जिसमें एक काला सा गोल हिस्सा और उसके चारों तरफ चमकती रिंग दिखाई दी थी। इसे ब्लैक होल का 'शैडो' बताया गया था।अब नई सोच यह कहती है कि ऐसा नजारा सिर्फ ब्लैक होल ही नहीं, बल्कि डार्क मैटर का घना केंद्र भी बना सकता है। उनके अनुसार, तस्वीर ब्लैक होल की पुष्टि नहीं करती, बल्कि सिर्फ यह बताती है कि वहां कुछ बहुत भारी मौजूद है। इसका मतलब यह हुआ कि जो तस्वीर अब तक सबसे मजबूत सबूत मानी जा रही थी, वह भी पूरी तरह साफ जवाब नहीं दे रही।

तारों की तेज रफ्तार का नया मतलब

गैलेक्सी के केंद्र के पास कुछ तारे बहुत तेज गति से घूमते हैं। यही बात अब तक ब्लैक होल के होने का सबसे बड़ा सबूत मानी जाती थी। लेकिन अब कहा जा रहा है कि यह तेज रफ्तार सिर्फ ब्लैक होल की वजह से ही नहीं, बल्कि डार्क मैटर के घने समूह की वजह से भी हो सकती है। इसका मतलब जो चीज अब तक साफ सबूत लग रही थी, वही अब सवाल बन गई है।

अगर बात सही निकली तो बड़ा बदलाव

अगर यह नई थ्योरी सही साबित होती है, तो विज्ञान की दुनिया में बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है। इसके बाद ब्लैक होल के बारे में हमारी समझ बदल जाएगी। इसके बाद हमें पता चलेगा कि गैलेक्सी कैसे बनती है। साथ ही इस खोज से डार्क मैटर को समझने में बड़ी मदद मिलेगी। यह खोज ब्रह्मांड के सबसे बड़े रहस्यों में से एक को खोल सकती है।

वैज्ञानिक समुदाय में छिड़ी बहस

हालांकि, वैज्ञानिक खुद भी मान रहे हैं कि अभी यह सिर्फ एक संभावना है। इसे पूरी तरह सच मानने से पहले और ज्यादा रिसर्च और डेटा की जरूरत है। नई टेक्नोलॉजी और बड़े टेलीस्कोप आने वाले समय में इस सवाल का सही जवाब दे सकते हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि ब्लैक होल के पक्ष में इतने ज्यादा सबूत हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन, 'डार्क मैटर' वाली यह नई रिसर्च एक वैकल्पिक नजरिया देती है, जो ब्रह्मांड के रहस्यों को और गहरा बना देती है।

चांद से लौटे सुपरहीरो हुए भावुक! परिवार से मिलते ही आंखों से छलक आए आंसू

वॉशिंगटन। चांद के करीब जाकर लौटे आर्टेमिस-2 मिशन के चारों एस्ट्रोनॉट्स जब पहली बार लोगों के सामने आए, तो माहौल सिर्फ जश्न का नहीं था, बल्कि भावनाओं से भरा हुआ था। उनकी बातों में गर्व था, चेहरे पर राहत थी और दिल में एक ऐसा रिश्ता था, जो इस सफर ने उन्हें दिया। मंच पर एक-दूसरे को गले लगाते हुए उन्होंने दिखा दिया कि यह यात्रा सिर्फ अंतरिक्ष तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक इंसानी कहानी भी बन गई है।

10 दिनों तक मौत और रोमांच के बीच डीप स्पेस में साथ बिताने के बाद, इन चारों की दोस्ती अब एक अटूट रिश्ते में बदल चुकी है। 24 घंटे के सख्त मेडिकल आइसोलेशन के बाद, जब ये नायक पहली बार अपने परिवार के सामने आए, तो पूरा माहौल भावनाओं के सैलाब में डूब गया. अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें मिशन के कमांडर रीड वाइसमैन अपनी पत्नी और बच्चों को गले लगा रहे हैं।

क्यों जरूरी था यह मिलन?

एस्ट्रोनॉट्स जब किसी स्पेस मिशन से वापस आते हैं, तो वे सिर्फ शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी थके होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि 'अपनों का स्पर्श' एस्ट्रोनॉट्स को वापस धरती की दुनिया में लौटने में सबसे ज्यादा मदद करता है। हालांकि, उन्हें अभी भी कुछ मेडिकल निगरानी में रखा जाएगा, लेकिन परिवार से मिलने की यह इजाजत उन्हें मानसिक शांति देने के लिए दी गई है। धरती पर लौटने के बाद जब ये चारों एस्ट्रोनॉट्स एक कार्यक्रम में पहुंचे, तो सबकी नजरें उन्हीं पर थीं. लोग उनकी उपलब्धि के बारे में सुनना चाहते थे, लेकिन जो सबसे ज्यादा लोगों के दिल को छू गया, वह था उनका आपसी रिश्ता. बातचीत के दौरान ही अचानक चारों ने एक-दूसरे को गले लगा लिया।

जुड़वां बच्चों की हो जाए मौत तो पालने लगते हैं गुड्डे-गुड़िया!

पोर्टो-नोवो। दुनियाभर में कई ऐसी विचित्र परंपराएं हैं, जो हैरान करने वाली हैं। कहीं पर परंपरा के नाम पर महिलाओं की उंगलियां काट दी जाती हैं, तो किसी जनजाति के लोग पेड़ों पर रहते हैं। कहीं पर परंपरा के नाम पर महिलाओं के छाती को दाग दिया जाता है, तो कोई जिंदगी भर नहाता ही नहीं है। लेकिन, कई ऐसी परंपराएं भी हैं, जो अजीब होने के साथ-साथ भावुक कर देने वाली भी होती हैं। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन के फॉन जनजाति की एक ऐसी ही भावुक कर देने वाली परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको सुनकर अचरज होगा, लेकिन बता दें कि यहां के लोग अपने मरे हुए बच्चों को भूलते नहीं, बल्कि उन्हें लकड़ी के पुतलों के रूप में

हमेशा अपने बीच जिंदा रखते हैं। यह कहानी माता-पिता के उस अटूट प्रेम की है, जो मौत की दीवार को भी पार कर जाता है।

अमेरिका पर टूटने वाली है आसमानी आफत

वॉशिंगटन। जब हम प्राकृतिक आपदा की बात करते हैं, तो अक्सर भूकंप या सुनामी का नाम आता है। लेकिन, अगर मैं आपसे कहूं कि कैलिफोर्निया, जो अक्सर सूखे और जंगल की आग के लिए खबरों में रहता है, वह अब एक बिल्कुल उलट आपदा की दहलीज पर खड़ा है, तो क्या आपको यकीन होगा. बहुत से लोग कहेंगे, ऐसा कैसे हो सकता है। तो मैं आपको बता दूं कि अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के लिए वैज्ञानिकों ने ऐसी चेतावनी दी है, जो किसी भी भूकंप से भी ज्यादा विनाशकारी हो सकती है। वैज्ञानिकों ने इसे आर्कस्टॉर्म 2.0 नाम दिया है। इसे लेकर उनका कहना है कि यह मेगा-फ्लड (महाबाढ़) कैलिफोर्निया के नक्शे को हमेशा के लिए बदल सकती है। आइए समझते हैं कि आखिर यह बला क्या है और क्यों यह भूकंप से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है?

क्या है मेगाफ्लड?

वैज्ञानिकों के अनुसार, मेगाफ्लड एक ऐसी काल्पनिक, लेकिन संभावित स्थिति है, जिसमें हफ्तों तक लगातार भीषण बारिश होती है। इसे बाइबिल जैसी बाढ़ कहा जा रहा है, क्योंकि इसकी भयावहता हजारों साल पहले की महान प्रलय जैसी हो सकती है। यह स्थिति तब बनती है, जब प्रशांत महासागर से वायुमंडलीय नदियां नमी का विशाल भंडार लेकर कैलिफोर्निया के तट से टकराती हैं। अगर ऐसा तूफान आता है, तो नुकसान का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। इस बाढ़ में लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और सैक्रामेंटो जैसे बड़े शहर कई फीट पानी में डूब सकते हैं।

कैसे आएगा यह 'तूफानों का महा-तूफान'?

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह कोई एक दिन की बारिश नहीं होगी, बल्कि हफ्तों तक चलने वाला तांडव होगा। इससे आसमान में नमी की एक विशाल 'नदी' बन जाएगी, जो हफ्तों तक कैलिफोर्निया पर पानी बरसाएगी। इतिहास गवाह है कि कैसे 1861-62 में ऐसी ही एक बाढ़ आई थी, जिसने कैलिफोर्निया की सेंट्रल वैली को 300 मील लंबी झील में बदल दिया था।उस समय राज्य की राजधानी सैक्रामेंटो 10 फीट पानी में डूब गई थी।

दुनिया का वो जानवर, जो लेता है सबसे कम नींद, सो पाता है सिर्फ आधे घंटे

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ऊंचे स्थलीय जानवर जिराफ की लंबी गर्दन हर कोई जानता है। यह गर्दन उसे पेड़ों की ऊंची टहनियों से पत्तियां तोड़कर खाने में मदद करती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि यही लंबी गर्दन जिराफ को दुनिया का सबसे कम सोने वाला जानवर बना देती है? जंगलों में एक वयस्क जिराफ पूरे 24 घंटे में औसतन सिर्फ 30 मिनट या उससे भी कम नींद ले पाता है। यह नींद भी कई छोटी-छोटी झपकियों में बंटी होती है, जिनमें से हर झपकी 5 मिनट से ज्यादा नहीं चलती। जिराफ शिकार किए जाने वाले जानवर है। ऐसे में गहरी नींद सोना यानी अपनी जान से हाथ धोना. इस कारण ये जानवर सबसे कम सोने वाले जानवरों की लिस्ट में शामिल है।

अफ्रीका के सवाना में शेर, तेंदुआ और अन्य शिकारी हमेशा तैयार रहते हैं। अगर जिराफ लंबे समय तक सोए तो खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, प्रकृति ने इसे कम नींद की आदत दी है। जिराफ ज्यादातर खड़े-खड़े ही आराम करता है। कभी-कभी वह अपनी गर्दन को मोड़कर पीछे की तरफ अपनी कमर पर सिर टिकाकर सोता है, जैसे अपना सिर तकिया बना लिया हो. जब जिराफ पूरी तरह लेटता है तो उसकी टांगें शरीर के नीचे मोड़ लेता है और गर्दन सीधी रखता है। लेकिन आरईएम नींद (गहरी नींद) के दौरान सिर को अपनी पीठ पर रख लेता है। यह स्थिति बहुत कमजोर होती है, क्योंकि उठने में समय लगता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com